मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 29
भोपाल, गुरुवार
12 मार्च 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 कूनो नेशनल पार्क में क्षमता से ज्यादा हुए चीते, अब नौरादेही...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

आईपीएल की शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी 06

विशेष संपादकीय

भ्रम फैला रहीं भविष्यवाणियों वाली रील्स

आजकल हर एक व्यक्ति सोशल मीडिया यूज़र है। सुबह से लेकर रात में सोने तक एंड्रॉयड फोन बच्चों से लेकर बूढ़ों तक की जरूरत बने हुए हैं। एंड्रॉयड फोन यूज करने वाला हर व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत और समझदार हो यह जरूरी नहीं है। इसलिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया कंटेंट एक बड़े वर्ग पर असर करता है। आजकल आप जैसे ही अपना एंड्राइड मोबाइल खोलते हैं ,वैसे ही तमाम तरह की रील्स आना शुरू हो जाती है। यह सारी रील्स अलग-अलग मुद्दों पर होती है , रोचक होती है भ्रामक भी रहती हैं,जिनका बड़ा गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। अगर हम इस समय वायरल कंटेंट की बात करें तो ,आजकल सबसे ज्यादा जो रील्स वायरल हो रही है ,या जिनकी सोशल मीडिया पर बाढ़ आई हुई है, वह भविष्यवाणियों को लेकर है। ऐसी ऐसी भविष्यवाणियां इन रील्स के माध्यम से आम आदमी तक पहुंच रहीं हैं,जिनका गहरा असर देखा जा सकता है। आजकल लगातार युद्ध से संबंधित भविष्यवाणियों की रील्स आपको देखने को मिल सकती है। हर दूसरा आदमी ज्योतिषाचार्य, भविष्य वक्ता बना हुआ है। कहीं कोई एस्ट्रोलॉजर भारत पाकिस्तान का युद्ध करा रहा है, तो कहीं विश्व युद्ध की बात रील्स के माध्यम से कह रहा है । इन तमाम तरह के भविष्यवक्ताओं के कारण एक भ्रम जैसी स्थिति समाज में निर्मित हो रही है । कम समझदार लोग पैनिक हो रहे हैं ,कि आगे क्या होने वाला है ,जबकि ऐसा कुछ नहीं है। कमाल की बात यह है कि सरकारी तंत्र का भी इन पर कोई नियंत्रण नहीं है, जबकि उनके ऊपर सेंसर लगाना बहुत आवश्यक है। क्योंकि ऐसे रीलबाज भविष्यवक्ता अपनी दुकानदारी जमाने के चक्कर में ऐसी बात जरूर अपने कंटेंट के माध्यम से करते हैं जिससे लोग उन्हें तुरंत नोटिस करें। यह रील्स वाले भविष्यवाणियों के खेल पर अब लगाम लगाने की सख्त जरूरत है।

उड़ता तीर

अंतर्मना उवाच

जब किसी को समझाना मुश्किल हो जाये.. तो खुद को समझा लेना ही समझदारी है..!

*क्योंकि सब सोच समझ की अनुपस्थिति है। **जब आप सोचते हैं तब समझते नहीं है, और जब समझते हैं तब सोच गायब हो जाती है।** कभी आपने सोचा..? कि जब आप सोच रहे होते हैं, तो आपके दिमाग के भीतर असल में क्या चल रहा होता है..? **अन्तर्मन में सोच - शब्दों से या वाक्यों से चलती है।** लेकिन रिसर्च बताती है कि 80% विचार बिना भाषा के होते हैं और जब तक हम उसे प्रकट करते हैं या समझते हैं, उससे चार सैकेंड पहले ही दिमाग उस पर फैसला कर चुका होता है।*

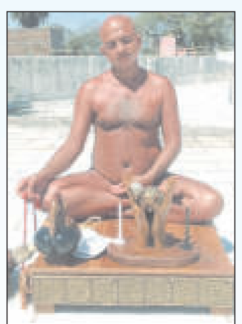

तापमान- 36 डिग्री, स्थान- प्रतापगढ़, राजस्थान। मंगल बिहार के समय भरी दोपहरी में सामायिक करते अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज स्थान- प्रतापगढ़, राजस्थान

***हमारे मन की धारा में शब्द केवल एक छोटा-सा हिस्सा है।** दरअसल हमारे विचार अक्सर धुंधली तस्वीरों, संवेदनाओं या बिना शब्दों वाले स्वरूपों और अनुभवों के रूप में तैरते रहते हैं। दुनिया में 25% लोग ऐसे हैं जो हर समय शब्दों में सोचते हैं। तकरीबन 20% विचार ऐसे होते हैं जिनमें न कोई तस्वीर होती है और न शब्द। वे केवल जान लेने या महसूस कर लेने का अहसास होते हैं।*

जब हम कुछ नहीं कर रहे होते हैं तब भी हमारा दिमाग भीतर ही भीतर बड़े बदलावों की तैयारी कर रहा होता है।** कोई भी विचार आपके मन में आने से पहले ही - अवचेतन स्तर पर उसका बीज तैयार हो चुका होता है। इसलिए **खाली वक्त - दिमाग में कुछ नई चीज गढ़ने में व्यस्त रहता है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मप्र में गैस सिलेंडर की किल्लत | ऑनलाइन सर्वर क्रैश, एजेंसियों के बाहर लगी लंबी लाइन

होटल-रेस्त्रां में ताला लगने की आई नौबत

घरेलू सिलेंडर के लिए भी 7 दिन तक वेटिंग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में एलपीजी गैस संकट से लोग चिंतित हो गए है। एलपीजी की कमी की आंच अब किचन तक पहुंच गई है। 3 दिन से प्रदेश में कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई ठप है। ऑनलाइन सर्वर क्रैश हो चुका है। बुकिंग कराने और पूछताछ के लिए एजेंसियों के बाहर लंबी लाइन लगी हुई है। लोग ऑफ लाइन बुकिंग करा रहे हैं। जिन लोगों ने ऑन लाइन गैस की बुकिंग कराई थी उनकी भी घरेलू सिलेंडर की वेटिंग भी 5 से 7 दिन की हो गई है। ऑयल कंपनियों ने 15 प्रतिशत गैस ही उपलब्ध होने की बात कही है, जो इमरजेंसी सेवा और घरों के लिए ही उपयोग हो सकेगी। यह हाल राजधानी सहित पूरे प्रदेश का है। ऐसे में गुरुवार से पूरे प्रदेश में गैस का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

इधर, ऑयल कंपनियों की सप्लाई के बाद कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पताल, सेना-पुलिस की कैंटीन, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट स्थित कैंटीन, बस स्टैंड स्थित भोजनालय को ही मिलेंगे। हालांकि, खाद्य विभाग को जरूरत के हिसाब से ऑयल कंपनियों को लिस्ट देना होगी। दूसरी ओर होटल, मैरिज गार्डन, सराफा कारीगरों के साथ भोपाल और इंदौर मेट्रो को कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल सकेंगे। दोनों ही शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है, जिसमें वेल्डिंग के लिए एलपीजी का उपयोग होता है।

होटल और रेस्टॉरेंट का स्टॉक खत्म होने के कगार पर

भोपाल होटल एसोसिएशन के तेजकुल पाल सिंह पाली का कहना है कि राजधानी में ही डेढ़ हजार से ज्यादा होटल और रेस्टॉरेंट हैं। जहां हर रोज 2 से ढाई हजार सिलेंडर उपयोग होते हैं। जिन होटल या रेस्टॉरेंट में स्टॉक है, वहां 48 घंटे ही तैसे-जैसे निकल पाएंगे। इसके बाद होटल और रेस्टॉरेंट बंद हो जाएंगे। सरकार से मांग की है कि होटल, रेस्टॉरेंट और रेहड़ी वालों को कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जाए, लेकिन सरकार ने सिर्फ इमरजेंसी सेवा के लिए गैस देने की बात कही है।

दावा- था कि घरेलू सिलेंडर में कोई समस्या नहीं, पर लंबी वेटिंग

जिम्मेदार दावा कर रहे हैं कि घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन हकीकत में लंबी वेटिंग है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लंबी वेटिंग है। भोपाल के बागसेवनिया, टीटी नगर, 5 नंबर इलाके में इसके लिए भीड़ देखी गई। इंदौर में कमर्शियल सिलेंडर के संकट के बीच खाद्य विभाग के अधिकारी ने लकड़ी, कंडा, कोयला जैसे पारंपरिक ईंधन जलाने पर जोर दिया है। वहीं भोपाल में भी डीजल भट्ठी का उपयोग करने की बात कही जा रही है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि सरकार के नए निर्देश आए हैं। इसी हिसाब से सप्लाई व्यवस्था है। अब 25 दिन में ही सिलेंडर के लिए बुकिंग कराई जा सकेगी। सर्वर की दिक्कत आने और लोगों के द्वारा 1-2 सिलेंडर स्टॉक जमा करने की वजह से एजेंसियों के बाहर भीड़ लग रही है।

शादियों पर भी संकट

प्रदेश में मार्च में ही 20 हजार से ज्यादा शादियां होना हैं। इनमें कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग होता है, लेकिन ये 3 दिन से नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में शादियों में भोजन पकाने में दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। भोपाल में 3 हजार आभूषण कारीगर हैं। इन्हें महीने में 9000 हजार सिलेंडर की जरूरत होती है।

सीएम से मिले होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि

मप्र होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। होटल सेवा को इमरजेंसी में रखने की अपील की। मध्यप्रदेश होटल एसोसिएशन ने सीएम यादव से सिलेंडर की सप्लाई बंद नहीं करने की अपील की।

विदेश मंत्री जयशंकर और आराघची की बातचीत

होर्मुज से गुजरेंगे भारतीय टैंकर, मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और ईरान-इस्राइल-अमेरिका जंग के बीच भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हाथ लगी है। ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को रणनीतिक रूप से अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है। यह घटनाक्रम भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास आराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद सामने आया है। इसके बाद कम से कम दो भारतीय टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां बढ़ते तनाव के कारण कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। यह अनुमति भारत के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वर्तमान में इस क्षेत्र से गुजरने वाले अमेरिका, यूरोप और इस्राइल के जहाजों को प्रतिबंधों और हमलों के गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ संघर्ष अब 12वें दिन में पहुंच गया है। बढ़ते तनाव के कारण क्षेत्र में समुद्री यातायात लगभग ठप हो गया है।

भारत के लिए इसके मायने

ईरान द्वारा विदेशी जहाजों को निशाना बनाए जाने के बीच केवल भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिलना भारत की स्वतंत्र कूटनीति का परिणाम माना जा रहा है। इस कदम से युद्ध और नाकेबंदी के मौजूदा हालात में भी भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला के सुचारू रूप से चलते रहने में मदद मिलेगी

प्रधानमंत्री मोदी ने दिए निर्देश | पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे, 70 दिन का स्टॉक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एलपीजी किल्लत और देशभर में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े निर्देश दिए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि पश्चिम एशिया संकट का आम लोगों पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने सभी मंत्रियों को निर्देश दिया कि अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखें और स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखें। ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पेट्रोलियम और गैस की कीमतों में उछाल तथा भारत में कमी की आशंका को लेकर भारत सरकार ने बड़ा दावा किया है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, फिलहाल देश में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें स्थिर रहेंगी और इनमें बढ़ोतरी नहीं होगी।

गैस की कीमतों में जो उछाल आया था, उसे भी मामूली बढ़ोतरी बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पहले नॉन-हॉर्मुज ज़ोन से करीब 60 फीसदी डीज़ल-पेट्रोल की आपूर्ति होती थी। जिसे बाद में बढ़ाकर 65 फीसदी किया गया और अब यह करीब 70 फीसदी तक पहुंच गई है।

खरगोन की मोनालिसा ने की फरहान से शादी

फिल्म डायरेक्टर सनोज बोले, मुझे सर तन से जुदा की धमकी मिली

आरोप- केरल में कराया मोनालिसा का लव जिहाद

भोपाल। महाकुंभ की वायरल गर्ल खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली मोनालिसा भोंसले ने केरल में फरमान खान से मंदिर में शादी कर ली। इस शादी को लेकर मोनालिसा के फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने फेसबुक पर खुलासा किया है। सनोज ने लिखा कि मुझे सर तन से जुदा करने की धमकी दी जा रही है, पीएफआई ने जाल बनाकर केरल में मोनालिसा का लव जिहाद कराया। शादी से पहले बुधवार को दोनों तिरुवनंतपुरम के थंपानूर पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। यहां मोनालिसा ने पुलिस से सुरक्षा मांगी पुलिस के मुताबिक मोनालिसा ने कहा कि वह बालिग हैं और अपनी मर्जी से फरमान के साथ रहना और उससे शादी करना चाहती हैं।

देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर संसद में हंगामा

सदन के बाहर नारेबाजी- नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब

विपक्ष का एलपीजी सिलेंडर को लेकर प्रदर्शन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से सदन की कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया, लेकिन विपक्ष नहीं माना तो कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

लोकसभा में विपक्ष द्वारा स्पीकर के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज कर दिया गया। गुरुवार को स्पीकर ओम बिरला दोबारा सदन की अध्यक्षता करने के लिए कुर्सी पर लौटे। संसद परिसर में राहुल समेत

विपक्ष के सांसदों ने सिलेंडर संकट पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब के नारे लगाए। राहुल गांधी ने कहा- प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी।

इंदौर के बायपास पर फिर एक हादसा

केले से भरा आयशर वाहन खड़े ट्रक से टकराया, केबिन में डेढ़ घंटे फंसे रहे चालक-क्लीनर, दोनों की मौत

इंदौर ■ निसं

इंदौर के बायपास पर फिर एक हादसा हो गया। बुधवार सुबह आयशर वाहन सड़क पर खड़े ट्रक से टकराय गया। आयशर वाहन केले से लदा था। उसमें सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। आयशर के ट्रक में फंसे हिस्से को जेसीबी की मदद से निकाला गया।

इंदौर के बिचौली हप्सी क्षेत्र में गुरुवार तड़के केले से भरा आयशर वाहन सड़क पर खड़े ट्रक से टकराया। आयशर वाहन स्पीड में था और ट्रक से इतनी जोर से टकराया कि वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्से को जेसीबी की मदद से निकाला गया। आयशर वाहन में सवार ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क किनारे खड़े ट्रक को देख नहीं पाया था और टक्कर हो गई।

केलों से भरा आयशर वाहन राऊ से देवास की तरफ जा रहा था। बायपास पर बिचौली हप्सी ब्रिज के समीप सड़क किनारे खड़े ट्रक से वह पीछे की तरफ टकराया। जोर से हुई टक्कर के बाद ग्रामीण और राहगीर एकत्र हुए और पुलिस को सूचना दी। आयशर वाहन का अगला हिस्सा ट्रक में फंस गया था और ड्राइवर व क्लीनर भी डेढ़ घंटे तक केबिन में फंसे रहे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और एक जेसीबी की मदद से ट्रक में फंसे केबिन को हटाया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया।

मृतक की पहचान रमेश उर्फ राजेश पुत्र फूलचंद गोयल निवासी बड़वानी के रूप में हुई। रमेश ड्राइवर और क्लीनर राजू उर्फ राजेश निवासी धार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे के लिए ट्रक की गलत पार्किंग को जिम्मेदार माना और ट्रक को जब्त कर लिया है, जबकि चालक को हिरासत में लिया है। आपको बता दें कि इंदौर बायपास में सर्विस रोड व तीन स्थानों पर ब्रिजों का निर्माण हो रहा है। इस कारण ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। बीते चार माह में आठ से ज्यादा हादसे बायपास पर हो चुके और दस से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

पंधाना एसडीएम दीक्षा भगोरे को पद से हटाया

बिना कारण जाति प्रमाण के 1400 आवेदन रिजेक्ट किए, सरकारी जमीनों पर कब्जा कराने के आरोप

खंडवा ■ निसं

खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बुधवार को डिप्टी कलेक्टर दीक्षा भगोरे को पंधाना एसडीएम पद से हटा दिया है। उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में निर्वाचन शाखा सहित अन्य काम सौंपे गए है। उन्हें एसडीएम पद से हटाने के पीछे शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कहा कि, भगोरे के एसडीएम कार्यकाल की जांच होना चाहिए। इसके लिए भोपाल जाकर मुख्य सचिव से मिलेंगे और जांच की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि, एसडीएम रहते हुए दीक्षा भगोरे ने सरकारी जमीनों पर कब्जे करवाए हैं। साथ ही आदिवासियों के साथ अन्याय किया

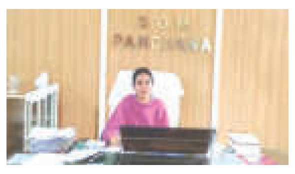

है। जिन लोगों ने जाति प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन किए थे, उन्हें बिना कारण बताए रिजेक्ट कर दिया गया। जिन्होंने इसके खिलाफ अपील की, उनके जाति प्रमाण पत्र बना दिए गए।

बता दें कि, पंधाना विधायक छाया मोरे की शिकायत पर डिप्टी कलेक्टर दीक्षा भगोरे के खिलाफ एक्शन लिया गया है। उनकी जगह पूर्व में पदस्थ रहे डिप्टी कलेक्टर दिनेश सांवले को एसडीएम का चार्ज दिया गया है। हटाने के पीछे की मुख्य वजह भगोरे की प्रशासनिक कामकाज में कमजोरी बताई गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने नेशनल हाईवे से लगे बोरगांव बुजुर्ग में बेशकीमती सरकारी जमीनों पर कब्जे कराए हैं। यानी उनके रहते हुए जमीनों पर कब्जे हुए हैं, शिकायतों के बाद भी एसडीएम ने एक्शन नहीं लिया।

बोरगांव बुजुर्ग और आसपास सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वाले पूर्व विधायक के करीबी है। साथ ही वर्तमान विधायक की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। इसके लिए जितने भी जाति प्रमाण-पत्र के आवेदन एसडीएम के पास गए, उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। इन आवेदनों का आंकड़ा करीब 1400 का है।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में ट्रांसफॉर्मर फैक्ट्री में भीषण आग, घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक ट्रांसफॉर्मर फैक्ट्री में आग लगने की घटना हुई है। आग इतनी विकराल थी कि इसने पूरी फैक्ट्री को चपेट में ले लिया है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल दमकल विभाग की गाड़ियां आग को काबू करने में जुटी हैं। छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र की पड़रिया चौकी अंतर्गत ग्राम पड़रिया में स्थित एक ट्रांसफॉर्मर निर्माण एवं रिपेयर फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में उसने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। घटना से आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री थाने से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आग लगने की सूचना मिलते ही पड़रिया चौकी प्रभारी कमला सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इजराइल-ईरान युद्ध के कारण ग्वालियर में बढ़ी महंगाई

ग्वालियर। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर अब ग्वालियर में भी दिखने लगा है। इसके चलते महंगाई धीरे-धीरे बढ़ रही है, जिससे आम आदमी की थाली महंगी हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि यदि युद्ध जल्द नहीं रुका, तो महंगाई चरम पर पहुंच जाएगी और रोजमर्रा की चीजें खरीदना मुश्किल हो जाएगा। ग्वालियर में महंगाई की मार स्पष्ट दिख रही है। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने के बाद अब कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पर भी रोक लग गई है। इसके कारण घरेलू एलपीजी की मांग अचानक बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि स्टॉक करने के कारण जरूरतमंदों को भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। किराना और ड्राई फ्रूट्स के दाम भी बढ़ने लगे हैं। किराना व्यापारियों के अनुसार, सभी आवश्यक वस्तुओं पर 5 से 10 रुपये का अंतर आना शुरू हो गया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो यह अंतर और बढ़ जाएगा।

बसों की टैक्स चोरी में EOW डीजी से जवाब मांगा

जबलपुर। यात्री बसों की टैक्स चोरी के मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि टैक्स नहीं चुकाने के मामले में सीधे भ्रष्टाचार से जुड़ी धाराओं में एफआईआर कैसे दर्ज कर ली। मामले में कोर्ट ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के डीजी से जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। मामले की बुधवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस आरसीएस बिसेन की डिवीजन बेंच ने ईओडब्ल्यू के डीजी और उनके लीगल एडवाइजर को व्यक्तिगत हलफनामे के साथ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि उन्हें यह भी बताना होगा कि टैक्स वसूली से जुड़े मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में प्रकरण कैसे दर्ज किया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई से पहले शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया तो दोनों अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति के आदेश दिए जाएंगे। करीब 13 दिन पहले ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने यात्री बसों की टैक्स चोरी के मामले में डिंडोरी जिले के बस संचालक संजय केशवानी और साधना केशवानी के साथ ही जिला परिवहन कार्यालय डिंडोरी के (वर्तमान में नरसिंहपुर में पदस्थ) लिपिक पुष्प कुमार प्रधान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

जबलपुर में मदद के बहाने बदलता था कार्ड; 66 एटीएम कार्ड, स्कूटी और सोने की झुमकी जब्त

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में एटीएम से पैसे निकालने आए लोगों की मदद के बहाने उनका कार्ड बदलकर खातों से रकम निकालने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बुधवार शाम गोरखपुर और केंट थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की है। आरोपी के खिलाफ शहर के चार थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज थे।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 66 एटीएम कार्ड, नकदी, स्कूटी और सोने की झुमकी जब्त की है। ठगी से मिली 3 लाख 68 हजार रुपए की राशि भी बैंक खातों में होल्ड कराई गई है।

एटीएम में मदद के बहाने बदलता था कार्ड: पुलिस के अनुसार आरोपी एटीएम में पैसे निकालने आए लोगों को मदद का झांसा देता था। बातचीत के दौरान वह एटीएम का पिन देख लेता और मौका पाकर उनका कार्ड बदल देता था। इसके बाद बदले हुए कार्ड से पास के एटीएम से पैसे निकालकर खरीदारी करता था।

गोरखपुर में बुजुर्ग के खाते से 1.06 लाख निकाले: थाना गोरखपुर में बीएस सिडाम (80) निवासी थम्मन कॉम्प्लेक्स ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 दिसंबर 2025 को छोटी लाइन स्थित एसबीआई एटीएम में एक युवक ने मदद के बहाने उनका कार्ड बदल लिया। बाद में उनके खाते से 1 लाख 6 हजार 160 रुपए निकाल लिए गए।

केंट और ओमती में भी ठगी की वारदात: थाना केंट में रोहित सेन (34) निवासी अधारताल ने शिकायत की थी कि 24 जनवरी 2026 को सदर स्थित यूनियन बैंक एटीएम में कार्ड बदलकर उनके खाते से 59 हजार 300 रुपए निकाल लिए गए। वहीं थाना ओमती में रसीद उद्दीन (60) निवासी बंदकुआ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27 जनवरी 2026 को सिविक सेंटर स्थित एसबीआई एटीएम में आरोपी ने कार्ड बदलकर उनके खाते से 1 लाख 18 हजार 80 रुपए निकाल लिए।

66 एटीएम कार्ड, स्कूटी और जेवर जब्त: पुलिस ने आरोपी के पास से विभिन्न बैंकों के 66 एटीएम कार्ड, 5500 रुपए नकद, वारदात में इस्तेमाल की गई जुपिटर स्कूटी और करीब 55 हजार रुपए कीमत की सोने की झुमकी जब्त की है।

बेलबाग में 47 हजार रुपए की धोखाधड़ी

थाना बेलबाग में विजय कुमार चौधरी (47) निवासी कांचघर हनुमान टोरिया ने शिकायत की थी कि 5 अक्टूबर 2025 को बाई का बगीचा स्थित जनता मार्केट के पास एटीएम में कार्ड बदलकर उनके खाते से 47 हजार रुपए निकाल लिए गए।

सीसीटीवी और तकनीकी सबूतों से हुई गिरफ्तारी

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर टीम बनाकर जांच की गई। बैंक एटीएम के सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी विनोद गौतम (28) निवासी तिलक वार्ड, रेलवे स्टेशन के पास जिला सिवनी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने कई वारदातें करना स्वीकार किया।

महिला आईएएस फार्म हाउस जुआ कांड में नपे टीआई सहित तीन अफसर

इंदौर ■ निसं

इंदौर के पास महू में एक महिला आईएएस अधिकारी के फार्म हाउस पर चल रहे बड़े जुआकांड का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद मानपुर थाना प्रभारी सहित तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इंदौर के समीप महू में महिला आईएएस के फार्म हाउस पर चल रहे जुआकांड में थाना प्रभारी सहित तीन पुलिस अफसर निलंबित हो गए हैं। सूचना के बाद भी संबंधित थाने के अफसर देरी से पहुंचे थे। फार्म हाउस से मुख्य आरोपी सहित पांच लोग तब तक फरार हो चुके थे।

पुलिस ने फार्म हाउस से 18 जुआरियों को पकड़ा है, जिनमें ज्यादातर संभ्रांत परिवारों के हैं। यह फार्म महिला आईएएस वंदना वैद्य का है। उन्होंने जो चौकीदार रखा था, उसने मुख्य आरोपी जगदीश राठौर को एक दिन के किराए पर जुआ खेलने के लिए दिया था। पुलिस ने चौकीदार को भी आरोपी बनाया है।

महू के समीप अलवीपुरा में आईएएस वंदना वैद्य के फार्म हाउस पर पुलिस ने छापा मारकर 18 जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, जबकि पांच आरोपी मौके से भाग गए। इनमें जुआ खिलवाने वाला मुख्य आरोपी जगदीश राठौर उर्फ कूबड़ा है। वह जगह बदल-बदल कर लोगों को जुआ खिलवाता है। पकड़े गए आरोपियों को पुलिस ने एसडीएम कोर्ट में पेश किया। मानपुर क्षेत्र में फार्म हाउस पर चल रहे जुए की खबर अफसरों को पहले से थी।

इच्छामृत्यु याचिका पर कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित, पिछली सुनवाई में भ्रूण लेकर पहुंचा था याचिकाकर्ता

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर हाईकोर्ट में इच्छामृत्यु की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले याचिकाकर्ता दया शंकर पांडे पिछली सुनवाई के दौरान अपने बच्चे का भ्रूण लेकर हाईकोर्ट पहुंच गया था, जिससे मामला चर्चा में आ गया था।

जबलपुर हाईकोर्ट में इच्छामृत्यु की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्वयं की जान को खतरा होने और पुलिस द्वारा शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में इच्छामृत्यु की अनुमति देने का आग्रह किया गया था। याचिकाकर्ता पिछली सुनवाई के दौरान बच्चे का भ्रूण लेकर हाईकोर्ट पहुंच गया था। हाईकोर्ट के जस्टिस हिमांशु जोशी ने याचिका की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि रीवा लोकसभा के पूर्व उम्मीदवार दया शंकर पांडे की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि उन्हें जान का खतरा है और इसके कारण परिवार के सदस्यों को भी खतरा बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पारिवारिक सदस्यों के साथ जाते समय उन पर कई बार सड़क दुर्घटना के माध्यम से जानलेवा हमले किए गए। शिकायत करने के बावजूद पुलिस द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में पूर्व में हुए हमलों तथा संबंधित मामलों में दायर याचिकाओं का भी उल्लेख किया गया था। याचिका में सभी शिकायतों की जांच और इच्छामृत्यु की अनुमति देने की मांग की गई थी।

याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुआ और एकलपीठ को अपने साथ हुई घटनाओं तथा इस संबंध में पहले दायर की गई याचिकाओं की जानकारी दी। सुनवाई के बाद एकलपीठ ने फैसला सुरक्षित रखने के आदेश जारी कर दिए। याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान 9 मार्च को याचिकाकर्ता पॉलीथिन में अपने बच्चे का भ्रूण लेकर हाईकोर्ट पहुंच गया था।

बीना में भीषण सड़क हादसा

अनियंत्रित होकर पलटी तेज रफ्तार कार, दो दोस्तों की मौत, चार गंभीर घायल

सागर ■ निसं

सागर के बीना रिफाइनरी रोड पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर मौत हो गई और चार घायल हो गए। मृतकों में एक युवक की 10 अप्रैल को शादी होने वाली थी। हादसे के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं, पुलिस जांच कर रही है।

सागर जिले के बीना रिफाइनरी रोड पर बुधवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी नाली पर करीब 50 मीटर तक दौड़ने के बाद पलट गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में एक युवक की 10 अप्रैल को शादी होने वाली थी।

शादी समारोह से लौट रहे थे दोस्त: पुलिस के अनुसार, बीना के भीम वार्ड निवासी शैफ (25) और यश (24) अपने भोपाल निवासी मित्रों प्रियांश, अमन, विशाल और छोटी बजरिया निवासी श्रेयांश के साथ कुरवाई रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात भर शादी के कार्यक्रम में रहने के बाद, सुबह करीब 6 बजे वे रिफाइनरी रोड की ओर किसी काम से निकले थे। इसी दौरान हड़कल खाती गांव के पास मोड़ पर उनकी कार (MP 04 ZP 6805) बेकाबू हो गई।

एयरबैग भी नहीं बचा सके जान

प्रत्यक्षदर्शियों और मौके के हालातों को देखकर रफ्तार का अंदाजा लगाया जा सकता है। कार सड़क के बाजू में खुदी पड़ी नाली के ऊपर करीब 50 मीटर से ज्यादा दूरी तक घिसटती हुई गई और फिर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसके पुर्जे नाले में बिखर गए। हालांकि कार के एयरबैग खुल गए थे, लेकिन झटके और चोट इतनी गंभीर थी कि शैफ और यश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं: इस हादसे ने दो परिवारों के चिराग बुझा दिए हैं। मृतक शैफ की आगामी 10 अप्रैल को शादी थी। घर में शहनाइयां बजने वाली थीं और तैयारियों का दौर जारी था, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

जल जीवन मिशन में टीकमगढ़ जिले के सरपंच सम्मानित, दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों मिला सम्मान

टीकमगढ ■ निसं

टीकमगढ़ के मानिकपुरा सरपंच प्रभु रैकवार को जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित जल महोत्सव में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मौजूद रहीं। उन्हें ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और जनभागीदारी बढ़ाने के प्रयासों के लिए प्रशंसा पत्र मिला।

टीकमगढ़ जिले के ग्राम मानिकपुरा के सरपंच प्रभु रैकवार को जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए नई दिल्ली में आयोजित जल महोत्सव में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित जल महोत्सव कार्यक्रम में देशभर से जल प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महामहीम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपस्थित रहीं। उनके मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को जल संरक्षण, पेयजल उपलब्धता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में टीकमगढ़ जिले के ग्राम मानिकपुरा के सरपंच प्रभु रैकवार को जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। गांव में पाइपलाइन के माध्यम से घर-घर नल से जल पहुंचाने, जल स्रोतों के संरक्षण तथा ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में उनके प्रयासों की सराहना की गई।

ग्रामीणों और पंचायत की सामूहिक मेहनत का परिणाम: सरपंच प्रभु रैकवार ने बताया कि यह सम्मान पूरे ग्राम मानिकपुरा के ग्रामीणों और पंचायत की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव के लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रही है।

सागर में 8 प्रतिष्ठानों से 17 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

सागर ■ निसं

युद्ध के बीच मप्र समेत सागर में घरेलू गैस की किल्लत का असर दिखने लगा है, कमर्शियल गैस सिलेंडर मिलना बंद हो गए। जिस कारण कुछ लोगों ने घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग शुरू कर दिया है। कमर्शियल कार्य में घरेलू गैस के उपयोग को लेकर राजस्व, खाद्य और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की।

टीम ने गोविंद भोजनालय, महावीर भोजनालय, बीकानेर स्वीट्स, भाग्योदय चाट, मिलन होटल, उपसरपंच चाय, घनश्याम चाय, जैन टी स्टाल सहित 8 प्रतिष्ठानों से 17 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। एसडीएम मनोज चौरसिया ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कालाबाजारी करने वालों पर निरंतर कार्रवाई की जाएगी।

कूनो नेशनल पार्क में क्षमता से ज्यादा हुए चीते, अब नौरादेही अभयारण्य बनेगा तीसरा घर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

देश में 17 सितंबर 2022 को शुरू किए चीता प्रोजेक्ट के अंतर्गत अब चीतों की संख्या न सिर्फ अफ्रीकी देशों से लाए गए कुल 20 चीतों से बढक़र 53 हो गई है, बल्कि श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में यह आंकड़ा 50 पर पहुंच गया है। वहीं, मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर अभयारण्य में तीन चीतों को शिफ्ट किया जा चुका है।

चीतों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा गया था कि सरकार का लक्ष्य साल के अंत तक चीतों की संख्या 50 पहुंचाने का है। इसके बाद अन्यत्र इनकी संख्या में वृद्धि की तैयारी की जाएगी, लेकिन बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों के अलावा पिछले 30 दिन में ही कूनो में 13 शावकों के जन्म से यहां चीतों की संख्या अचानक बढ़ गई है।

रानी दुर्गावती अभयारण्य तीसरा घर बनेगा: ऐसे में, कूनो और गांधी सागर के बाद देश में रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) चीतों का तीसरा घर बनेगा। इसका क्षेत्र 1,197 वर्ग किलोमीटर है। मंगलवार को यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को दी। उन्होंने बताया कि मई-जून में यहां चीते छोड़े जाएंगे।

चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत में ही मध्य प्रदेश के तत्कालीन प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जेएस चौहान ने बताया था कि 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला कूनो नेशनल पार्क 30 चीतों को बसाने के अनुकूल है। यहां शिकार कर उनके भोजन के लिए पर्याप्त वन्य जीव मौजूद हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रत्येक चीते को लगभग 50-100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। यह आकलन चीतों के दौडऩे की क्षमता और उनकी प्रवृत्ति के अनुरूप किया गया है।

चीतों की संख्या को देखते हुए बढ़ा इलाका

प्रोजेक्ट शुरू होने के छह माह बाद ही चीतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए न सिर्फ कूनो में श्योपुर व शिवपुरी वन मंडल का भाग भी जोड़ा गया बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के भी कुछ जिलों को जोडक़र कॉरिडोर तैयार करने की कवायद भी की गई है। चीते भी यहां के प्राकृतिक माहौल में ढलकर मुरैना से लेकर ग्वालियर तक पहुंचने के अलावा श्योपुर की राजस्थान से सटी सीमा पर बसे जिलों तक घूम रहे हैं।

ऐसे फलफूल रहा है चीतों का कुनबा: कूनो में मौजूद सभी छह मादा चीता मां बन चुकी हैं। इनके द्वारा जन्मे कुल 33 शावकों में से कई वयस्क हो चुके हैं। केवल मंदसौर में बसी चीता धीरा ही मां नहीं बन सकी है। सबसे पहले मां बनी ज्वाला चीता का तीन बार प्रसव हो चुका है। उसके द्वारा जन्मे कुल नौ शावक में से एक मुखी वयस्क होकर पांच शावकों को जन्म भी दे चुकी है। ऐसे में, इस परिवार के ही कुल 15 चीता हो चुके हैं। इस वर्ष 30 दिनों के भीतर ही सात फरवरी को आशा ने पांच, 18 फरवरी को गामिनी ने तीन और नौ मार्च को ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है।

भोपाल। आज से विट्ठल मार्केट दशहरा मैदान पर 7 दिवसीय महा शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक का आयोजन प्रभाकर शास्त्री दादा के पुत्र अनिल शास्त्री द्वारा सवा करोड़ शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हस्तियां शामिल होगी और भारी संख्या में भक्तजन शिवलिंग का निर्माण कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

निगम ने कल्पना नगर कम्यूनिटी हॉल को कब्जे से मुक्त कराया

भोपाल। नगर निगम द्वारा कल्पना नगर स्थित कम्यूनिटी हॉल को वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उक्त कम्यूनिटी हॉल में कब्जा कर मदरसे का संचालन किया जा रहा था। मदरसे के संचालन की शिकायत कालोनी वासियों द्वारा किए जाने पर निगम अमले ने उक्त कार्यवाही की। नगर निगम के जोन क्र. 15 के अमले व अतिक्रमण निरोधक दस्ते की संयुक्त कार्यवाही में बुधवार को जोन क्र. 15 के अंतर्गत वार्ड क्र.64 के कल्पना नगर स्थित कम्यूनिटी हॉल को वर्षों पुराने कब्जे से मुक्त कराने की कार्यवाही की। कल्पना नगर स्थित कम्यूनिटी हॉल में मदरसे का संचालन किये जाने की शिकायत कालोनी वासियों द्वारा की गई। मामला संज्ञान में आते ही जोन क्र. 15 के जोनल अधिकारी ठाकुर सिंह ने कम्यूनिटी हॉल में मदरसे का संचालन करने वाली सुश्री रूशदा सुल्तान को कम्यूनिटी हॉल खाली करने हेतु नोटिस जारी किया परंतु मदरसा संचालिका द्वारा कम्यूनिटी हॉल से अपना सामान नहीं हटाया गया जिस पर जोन क्र. 15 के अमले व अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए कम्यूनिटी हॉल खाली कराने की कार्यवाही की।

लोहे की रॉड से जामफल तोड़ने का प्रयास कर रहे युवक की करंट लगने से मौत

भोपाल। देहात इलाके के बिलखिरिया क्षेत्र में लोहे की रॉड से जामफल तोड़ने की कोशिश कर रहे एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना बुधवार दोपहर की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ईदगाह हिल्स इलाके में रहने वाला चंदन कुशवाह पिता सुरेश कुशवाह (18) वाटर कूलर सप्लाई का काम करता था। अपनी मौसेरे बहन की शादी में शामिल होने के लिए वह सोमवार को बिलखिरिया गया था और वहीं ठहरा हुआ था। बुधवार दोपहर को लोहे की रॉड से जामफल तोड़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान रॉड आंगन से गुजरी हाईटेशंन लाइन से टच हो गई। इससे वह करंट की चपेट में आया, उसे बचाने के प्रयास में पास मौजूद उसकी बुआ भी झुलस गई।

उप जेलों में बंद कैदी अब परिवार से सामग्री बुलवा सकेंगे

भोपाल। प्रदेश सरकार राज्य ने प्रदेश की सो से ज्यादा उप जेलों में जहां कैंटीन की व्यवस्था नहीं है वहां पर अब सीधे पर तौर पर परिवार द्वारा दी जाने वाली सामग्री कैदियों तक पहुंचने की अनुमति दे दी है। कई साल पूर्व इस पर सरकार ने प्रतिबंध लगाया था। मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने प्रदेश की 100 उप जेलों में कैदियों के परिजनों द्वारा दी जाने वाली सामग्री अंदर लाने की अनुमति दे दी है। इस निर्णय के बाद उन कैदियों की परेशानी काफी हद तक दूर हो जाएगी। जो काफी समय से परेशान हो रहे थे। सब जेलों में कैंटीन की व्यवस्था नहीं होने के कारण वहां पहुंचने वाले कैदियों के परिजन काफी परेशान होते थे।

मुख्यमंत्री ने राहतगढ़ और जेसीनगर को दी आधुनिक ग्रंथालय की सौगात

बुंदेलखंड में शिक्षा का लिखा जा रहा है नया अध्याय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में मातृ सत्ता प्रधान संस्कृति है। भारत की छवि विश्व गुरू की रही है। दुनिया में केवल भारतीय संस्कृति है, जिसने अपने मूल्यों के आधार पर ज्ञान की धारा को तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के माध्यम से विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय बदला है। अब हमारा देश आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत अपने कौशल के बल पर आधुनिक तकनीक में विश्व में नंबर वन बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान शिक्षाविद् डॉ. हरि सिंह गौर ने अपनी जमा पूंजी लगाकर बुंदेलखंड के सागर में शिक्षा का नया सूर्योदय किया। श्री गौर के प्रयासों से बुंदेलखंड को केंद्रीय विश्वविद्यालय की सौगात मिली है। यहां विभिन्न कोर्स की पढ़ाई कर निकले विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहतगढ़ और जेसीनगर में श्रमिकों के बच्चों के लिए लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस क्रम में आज सागर में मां सरस्वती की कृपा से शिक्षा का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के रूप में शिक्षा के आधुनिक मंदिर बुंदेलखंड के युवाओं के सामर्थ्य और संकल्पों को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानवीर के केवल विश्वविद्यालय का नाम नहीं बल्कि एक बेटे का अपने माता-पिता के चरणों में श्रृद्धा सुमन है। मंत्री श्री राजपूत ने इस संस्थान को अपनी पूज्य माता ज्ञानबाई जी के नाम से ज्ञान और अपने श्रद्धेय पिता वीर सिंह के नाम से वीर शब्द लेकर उन्हें समर्पित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह विश्वविद्यालय बुंदेलखंड के युवाओं के लिए सपनों के नए द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समय के साथ चलने के लिए युवाओं से कौशल और तकनीक में पारंगत होने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्ष 2003 के बाद हुए कार्यों से बुंदेलखंड क्षेत्र का कायाकल्प हो गया है। उसके पहले की सरकारों के कार्यकाल में विकास धरातल पर कहीं नजर नहीं आया। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती, श्रद्धेय श्री बाबूलाल गौर और पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी राज्य सरकार के लिए बुंदेलखंड सर्वोच्च प्राथमिकता का क्षेत्र रहा है। हमारी सरकार ने पिछले दिनों खजुराहो में हुई कैबिनेट बैठक में बुंदेलखंड के विकास के लिए 27 हजार करोड़ रूपये के विशेष पैकेज की मंजूरी दी। इससे क्षेत्र में करोड़ों का निवेश आएगा और बड़ी संख्या में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रदेश में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड की पहचान महाराजा छत्रसाल से भी है। उन्होंने अपने कालखंड में कई लड़ाइयां लड़ीं और बुंदेलखंड की पावन धरा पर सनातन संस्कृति की ध्वजा फहराई। यहां के आल्हा और ऊदल की वीरता की कहानियां आज भी जीवंत हैं। बुंदेलखंड के वीरों ने अपने शौर्य से मातृभूमि की रक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय टीम के क्रिकेट में विश्व विजेता बनने और होली पर्व की बधाई दी।

भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव

जयकारों के साथ निकली भगवान आदिनाथ कि शोभायात्रा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म दीक्षा कल्याणक श्रद्धा भक्ति के साथ श्री आदिनाथ जिनालय तुलसी नगर में मनाया गया। आचार्य मुक्ति सागर महाराज, आचार्य अचल मुक्ति सागर महाराज सा संघ सानिध्य में भगवान आदिनाथ की शोभायात्रा धूम धाम से निकली। केसरिया ध्वज पताका लहराती हुई विश्व शांति बंधुत्व का संदेश दे रही थी। मंदिर समिति अध्यक्ष आर के पारेख ने बताया कि रजतमय पालकी श्रद्धा भक्ति का केंद्र थी। श्रद्धालु कांधे पर लेकर हर्ष हर्ष,,, जय जय,, के जयकारे लगा रहे थे। पालकी में विराजमान भगवान आदिनाथ की प्रतिमा श्रद्धा भक्ति का केंद्र थी। समिति के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कोठारी ध्वनि यंत्र के माध्यम से भक्ति कर रहे थे। भक्ति मय वातावरण में श्री आदिनाथ महिला मंडल की सदस्य प्रभु के भजन गा रही थी। जिनालय में औषधीय अभिषेक के साथ पूजा अर्चना आदि धार्मिक अनुष्ठान हुए। भक्ति मय माहौल में सभी प्रभु आदिनाथ की भक्ति में लीन थे। आचार्य श्री ने कहा प्रभु के कल्याणक में अनुष्ठान करने से जन्म-जन्म के कर्मों की निर्जरा होती है।

एम्स भोपाल में चार दिवसीय कला प्रदर्शनी

कला के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मकता का संदेश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ समग्र स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नई पहलें कर रहा है। इसी क्रम में एम्स भोपाल के स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र तथा इलस्ट्रेशन क्लब द्वारा एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सभागार के चारों ओर स्थित प्रदर्शनी दीर्घा में किया जा रहा है।

यह कला प्रदर्शनी 11 मार्च से 14 मार्च 2026 तक आयोजित की जा रही है। पहले तीन दिनों तक प्रदर्शनी प्रातः 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी, जबकि अंतिम दिन 14 मार्च को इसका समापन दोपहर 12:30 बजे किया जाएगा। प्रदर्शनी में एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर (कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, एम्स भोपाल) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर संदेश कुमार जैन (उप निदेशक-प्रशासन), प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी (डीन-अकादमिक), प्रो. (डॉ.) विकास गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक), प्रो. (डॉ.) बालकृष्णन एस (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फार्माकोलॉजी), प्रो. (डॉ.) राजकुमार पाटिल (चेयरपर्सन, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर), प्रो. (डॉ.) रतिंदर झज (प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी) और डॉ. बृजेश कुमार (अतिरिक्त प्रोफेसर, एनाटॉमी) सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर में भी गर्मी ने दिखाए तेवर

मध्यप्रदेश में मार्च में ही तेज गर्मी: रतलाम में पारा 40°C पार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में मार्च महीने में ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार, 11 मार्च को इस सीजन में पहली बार प्रदेश में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया।

तेज गर्मी के बीच मौसम विभाग ने 14 और 15 मार्च को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, बादल और गरज-चमक की संभावना जताई है। यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के प्रभाव से देखने को मिल सकता है। प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इंदौर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री, ग्वालियर और उज्जैन में 37.7 डिग्री, भोपाल में 36.4 डिग्री और जबलपुर में 36.5 डिग्री तापमान रहा। इसके अलावा नर्मदापुरम में 39.9 डिग्री, धार में 39.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 38.4 डिग्री, खजुराहो में 38.2 डिग्री और गुना में 38.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

वहीं दमोह, मंडला, उमरिया, सागर, खरगोन, खंडवा और श्योपुर में भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार मार्च में पहली बार प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान इतना अधिक दर्ज हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। ये हवाएं रेगिस्तानी इलाकों से मध्यप्रदेश में पहुंच रही हैं। यह अपने साथ गर्मी भी ला रही हैं। मार्च में 14 और 15 मार्च को प्रदेश में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन दो दिन मौसम बदला रहेगा। 15 मार्च- ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल।

मार्च में गर्मी का ट्रेंड बदला: मध्यप्रदेश में मार्च के दूसरे पखवाड़े में तेज गर्मी का ट्रेंड है। पिछले 10 साल में 15 मार्च के बाद ही तेज गर्मी पड़ी है।

युवाओं में नवाचार एवं स्टार्ट-अप संस्कृति को मिला प्रोत्साहन

सफलता के लिये समय का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक : महानिदेशक डॉ. कोठारी

मैपकास्ट में एआई आधारित तकनीकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम का हुआ समापन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मैपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा है कि विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और समय का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। किसी भी विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए 'आई कैन' की भावना सबसे महत्वपूर्ण होती है। डॉ. कोठारी ने बताया कि परिषद विज्ञान एवं नवाचार के लगभग 18 क्षेत्रों जैसे कृषि, वेटनरी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग एवं आईटी में तकनीकी परामर्श, संस्थागत सहयोग, प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। साथ ही परिषद युवाओं को उद्योगों और संस्थानों से जोड़ने का भी कार्य कर रही है, जिससे उनके नवाचारों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिल सके। डॉ. कोठारी मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा एआई आधारित तकनीकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह सप्ताह तक संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जनरेटिव एआई टूल्स और उद्यमिता कौशल से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नवाचार, तकनीकी दक्षता और उद्यमशील सोच का विकास करते हुए उन्हें स्टार्ट-अप एवं स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करना रहा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इंटरएक्टिव डिजिटल टूल्स, ग्राफिक्स और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम प्रदेश में एआई आधारित स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में नए अवसर सृजित करने की एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षण को उपयोगी बताया। प्रतिभागी प्रतीक बाघरे ने कहा कि मार्केटिंग, इंडिया फर्स्ट की अवधारणा और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर आयोजित सत्र अत्यंत लाभकारी रहे। साथ ही आईआईआईएफआर भोपाल के शैक्षणिक भ्रमण से स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को समझने का भी अवसर प्राप्त हुआ। प्रतिभागी राहुल तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से नवाचार और तकनीक के उपयोग से जुड़े अनेक नए आयाम सीखने को मिले तथा समन्वयकों का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। वहीं उदित वर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें स्व-रोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में डॉ. प्रवीण विद्यार्थी, अवनीश शर्मा, सुश्री तन्या चतुर्वेदी एवं रविंद्र कोरेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बैतूल गंज पहुंचकर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सुरभि खण्डेलवाल को दी श्रद्धांजलि

बैतूल। मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल की सुपुत्री सुश्री सुरभि खण्डेलवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। डॉ. मिश्रा आज बैतूल गंज स्थित खण्डेलवाल के निज निवास पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत सुरभि खण्डेलवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अनमोल वचन

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है।
लोकमान्य तिलक

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है।
जवाहर लाल नेहरु

लापता होते बचपन की भयावह तस्वीर और समाज प्रशासन की जिम्मेदारी

कांतिलाल मांडोत

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है।

भारत में बच्चों के लापता होने की बढ़ती घटनाएं आज पूरे समाज के सामने एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती के रूप में खड़ी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यह स्थिति बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए हमारी व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता दोनों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति पश्चिम बंगाल की है जहां 19145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15465 बच्चों को ढूंढ लिया गया लेकिन 3680 बच्चे अभी भी लापता हैं। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है जहां 4256 बच्चे गायब हुए और 1059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। हरियाणा के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं जहां 2209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा केवल किसी एक राज्य का नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है।

कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। नागालैंड अरुणाचल प्रदेश मणिपुर त्रिपुरा गुजरात लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि जहां समाज सतर्क है और प्रशासन सक्रिय है वहां ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। हालांकि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या अधिक होने का कारण यह भी है कि वहां दूसरे राज्यों के बच्चे भी पाए गए।

लापता बच्चों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बच्चे पारिवारिक विवाद या गुस्से में घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। वहीं कई मामलों में मानव तस्करी और बच्चों को अगवा करने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों को केवल एक सामान्य घटना समझकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार बच्चों को मजदूरी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है जिससे उनका पूरा भविष्य अंधकार में चला जाता है।

समाचारों में सामने आए कुछ उदाहरण इस दर्दनाक सच्चाई को और गहरा कर देते हैं। हरियाणा के अंबाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को अपनी सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज में उसे जाते हुए देखा गया लेकिन उसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी तरह अंबाला कैंट की एक लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकली और अभी तक वापस नहीं लौटी। परिवार अपनी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहा है और पिता शहर में पर्चे बांटकर लोगों से जानकारी देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे मामलों में परिवार की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल होता है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के झाबुआ में भी एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई जहां साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची बाजार से अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में वह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक महिला के साथ दिखाई दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन यह घटना बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कितनी सतर्कता आवश्यक है।

आजकल सोशल मीडिया और इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चों को अगवा करने वाले गिरोहों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। हालांकि हर वीडियो सही नहीं होता लेकिन कई मामलों में यह सच भी साबित हुआ है कि बच्चों को चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसे गिरोह बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें अगवा कर लेते हैं और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने या अवैध कामों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह केवल कानून का नहीं बल्कि मानवता का भी बड़ा अपराध है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन को और अधिक सख्ती से काम करना होगा। लापता बच्चों के मामलों में तुरंत कार्रवाई होना जरूरी है। हर जिले में विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जो ऐसे मामलों की जांच करे। सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और बस स्टैंड रेलवे स्टेशन बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही पुलिस को बच्चों को चुराने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। जब तक पुलिस ऐसे गिरोहों को पकड़कर जेल में नहीं डालेगी तब तक यह सिलसिला पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस को दूसरे राज्यों के साथ समन्वय बनाकर भी काम करना चाहिए क्योंकि कई मामलों में बच्चों को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है।

सिर्फ प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। माता पिता को अपने बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अजनबियों से सावधान रहने की शिक्षा देनी चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देना चाहिए। समाज की जागरूकता कई अपराधों को होने से पहले ही रोक सकती है।

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका सुरक्षित बचपन ही एक मजबूत समाज की नींव रखता है। यदि बच्चे ही असुरक्षित महसूस करेंगे तो यह पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि सरकार प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या से लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा असुरक्षित न रहे। आज जरूरत इस बात की है कि लापता बच्चों के हर मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और उसे केवल एक आंकड़ा बनकर न रहने दिया जाए। जब तक हर बच्चे को सुरक्षित घर और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तब तक समाज की प्रगति अधूरी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है।

सम्पादकीय

जंग के चलते तेल-गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरु कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विपक्ष का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है। मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके? इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को भी भरोसे में लेकर एक पारदर्शी रणनीति प्रस्तुत करे। मध्य पूर्व की जंग कब तक चलेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो उसके प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रह पाएगा। इसलिए समय की मांग यही है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ऊर्जा सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए। यदि वास्तविक चुनौतियों को नजरअंदाज कर केवल आश्वासन दिए जाते रहे, तो हालात बिगड़ने में देर नहीं लगेगी। संकट के समय नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही होती है कि वह सच्चाई स्वीकार करे, दूरदर्शी नीति बनाए और देश को भरोसे के साथ आगे बढ़ाए।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन: धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरुद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्रियों को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग मंस झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें।

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली ख़ामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रंद्धाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है। अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यत: सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है। ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है।

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इज़रायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है। वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है ।इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

भगवान ऋषभ देव जी का जीवन परिचय

संतोष जैन

जैन परंपरा में 24 तीर्थंकर हुए हैं जिनमे पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर हुए हैं । जैन धर्म आदि अनंत है फिर भी प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इसके प्रवर्तक माने जाते हैं । भगवान ऋषभदेव का जन्म तीसरे काल के अंत में जब भोग भूमि की व्यवस्था नष्ट हो चुकी थी और कर्म भूमि की रचना प्रारम्भ हो रही थी तब अयोध्या के अंतिम मनु कुलकर श्री नाभिराज जी के घर उनकी पत्नी मरुदेवी से चैत्र शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या में जन्म हुआ था । कल्पवृक्षों के नष्ट हो जाने के बाद बिना बोए धान से लोगों की आजीविका होती थी, परंतु कालचक्र से जब धान ही नष्ट हो गया,तब लोग भूख से पीड़ित होकर सभी राजा नाभिराज के पास पहुंचकर त्राहि त्राहि करने लगे। राजा नाभिराज प्रजा को अपने पुत्र ऋषभदेव जी के पास ले गए, लोगों ने अपनी करुण व्यथा उनके सामने प्रकट की , प्रजाजनों की व्यथा देखकर भगवान ऋषभदेव द्रवीभूत हो उठे और उन्होंने अवधी ज्ञान से विदेह क्षेत्र की व्यवस्था का स्मरण कर इस भारत क्षेत्र में वही व्यवस्था चालू करने का निश्चय किया। भगवान ऋषभदेव ने असि-तलवार (सुरक्षा) मसि-लेखन कार्य, कृषि- खेती विद्या-संगीत नृत्यगान शिल्प-वस्तुओं का निर्माण वाणिज्य-व्यापार इन 6 कार्यों का उपदेश दिया तथा जानता को समझाया की भोग भूमि थी जिसमे कल्पवृक्षों से भोगोप भोग की सामग्री मिलती थी, अब कर्मभूमि प्रारम्भ हो रही है , यह कर्म करने का युग है ।

कार्य किए बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है । असि , मासी, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प ये 6 कर्म हैं इन कर्मों से आप लोग अपनी आजीविका चलायें। भगवान ऋषभदेव ने तीन वर्णों की स्थापना की, छत्रीय वैश्य और शुद्र छत्रीय- भगवान ऋषभदेव ने बलवान लोगों को शास्त्र धारण करने की शिक्षा दी जो आतताइयों से निर्बल लोगों की रक्षा करें । इन लोगों को छत्रीय वर्ण की संज्ञा दी वैश्य- भगवान ऋषभदेव ने विहार करते हुए लोगों को शिक्षा दी की जो लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर तैयार वस्तुओं को पहुंचाएं उनको वैश्य वर्ण की संज्ञा दी

***शुद्र** - भगवान ऋषभदेव ने बताया कि यह कर्मयुग है, और कर्म बिना सहयोग के नहीं हो सकता है अत: उन्होंने पारस्परिक सहयोग करने वालों की आवश्यकता है, बहुत से लोगों ने इसे सेवावृत्ति के रूप में अपनाया, आदि ब्रह्मा ने इन्हें शुद्र की संज्ञा दी । इस तरह कर्म भूमि श्रष्टि के प्रारंभ में में आदि ब्रह्मा ने छत्रीय वैश्य और शुद्र वर्ण की स्थापना की ।*

भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के मन में आया कि मैंने दिग्विजय के द्वारा बहुत साधन इकट्ठा किया है और अन्य लोग भी अपनी शक्ति के अनुसार धन एकत्रित करते हैं आख़िर उसका त्याग कहाँ किया जाए ? उसका पात्र किसे बनाया जाये? इसी के साथ उन्होंने अनुभव किया की कुछ बुद्धिजीवी हों तो उनको तीनो वर्गों को सदा बौद्धिक सामग्री मिलती रहे, चक्रबर्ती भरत महाराज ने लोगों की बौद्धिक क्षमता की परीक्षा लेकर उन्हें ब्राह्मण वर्ग की संज्ञा दी। उस समय की सारी व्यवस्था भगवान ऋषभदेव ने की, यही आदि पुरुष, ब्रह्मा, विधाता आदि संज्ञाओं से अवतरित हुए। राजा नाभिराज के पुत्र ऋषभदेव ने महरानी यशस्वती और सुनंदा से विवाह किया तथा नाभिराज के महान आग्रह पर राज्य का भार स्वीकार किया, कालक्रम से महारानी यशस्वती से चक्रवर्ती भरत आदि 100 पुत्र तथा ब्रामनी नामक पुत्री हुई और रानी सुनंदा से बाहुबली पुत्र तथा सुंदरी नामक पुत्री उत्पन्न हुई। भगवान ऋषभदेव ने अपने पुत्र पुत्रियों को अनेक जनकल्याणी विद्याएँ पढ़ाई, जिसके द्वारा समस्त प्रजा में पठन पाठन की व्यवस्था प्रारम्भ हुई ।

खास बात

आईटी पेशोवरों से मिले राहुल गांधी

राहुल गांधी नेता कम अभिनेता ज्यादा लगते हैं। जहां पर भी वह पहुंचते हैं। सभी के प्रिय बन जाते हैं। राहुल गांधी 2 दिन की केरल यात्रा पर गए थे। उन्होंने वहां पर आईटी पेशोवरों के साथ मुलाकात की ।स्कूल में बच्चों के साथ जूडो और कराटे भी कर लिया। कुछ महीने बाद केरल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लोकप्रियता का झंडा गाड़ने का कोई मौका राहुल गांधी नहीं छोड़ते हैं। चुनाव परिणाम में सही स्थिति का पता लगेगा।

ममता दीदी से नाराज राष्ट्रपति ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंतर्राष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए पश्चिम बंगाल गई थी। विधानसभा चुनाव के ठीक पहले यह कार्यक्रम राजनीति को ध्यान में रखते हुए अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा ने आयोजित किया था। कायदे से राष्ट्रपति को वहां नहीं जाना चाहिए था। राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंची, उन्हें लेने और स्वागत करने के लिए ना तो राज्यपाल थे। ना मुख्यमंत्री पहुंची,नाही सरकार का कोई मंत्री पहुंचा ।पहली बार राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू को लगा, उन्होंने गलत नंबर डायल कर दिया है ।उन्होंने नाराजी व्यक्त की। ममता दीदी ने उन्हें ऐसा जवाब दिया। जिसको सुनकर उनके पास चुप रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति के पद को भी विवादास्पद बना दिया है। चुनाव प्रचार में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं राज्यपालों का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। विपक्ष ने भी विरोध करने के लिए अपनी कमर कस ली है।

एक बार फिर पलटे नीतीश बाबू

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पलटू राम के नाम से देश भर में जाना जाता है। कुछ महीने पहले चुनाव हुए थे ।वह बिहार के मुख्यमंत्री बने ।अब मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने की तैयारी कर रहे हैं। बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है? देश में कहा जा रहा है, जिस तेजी के साथ पलटू राम पलटते हैं। उतनी तेजी के साथ गिरगिट भी अपना रंग नहीं बदलती है ।इस पलटी से नीतीश बाबू को क्या मिला,क्या खोया। इसका पता तो समय आने पर ही लगेगा। सामान्यत : लोग मुख्यमंत्री बनने के लिए केंद्र के बड़े से बड़े पद को छोड़ देते हैं। बिहार में तो उलटी गंगा बह रही है।

ट्रंप ने भारत सरकार को एक्सपोज किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बुरी तरह से सारी दुनिया के सामने एक्सपोज किया है। राजनीति में जिन बातों पर पर्दा डाला जाता है। उन्हीं बातों को ट्रंप ने बार-बार दोहराकर भारत सरकार को सारी दुनिया के सामने एक्सपोज किया है। रूस से तेल खरीदी पर पहले प्रतिबंध लगाया। फिर 30 दिन की छूट देकर मोदी सरकार को तगड़ा झटका दिया है। यह ऐलान भी ट्रंप प्रशासन ने खुद किया। वह भी ऐसे समय पर, जब विपक्ष मोदी सरकार पर बुरी तरीके से निशाना साध रहा है ।संसद का सत्र चल रहा है। होनी को टालना किसी के बस की बात नहीं है। सनातन धर्म में इसकी व्याख्या है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, नवमी, गुरुवार, मूल नक्षत्रे, सिद्ध योगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 10/40 रोग विमुक्ता स्नान मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, धनीमानी, योगी-भोगी, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर होगा।

मेष राशि- विशेष कार्य स्थगित रखें, अचानक घटना का योग बन सकता है सावधान रहें।

वृष राशि- सफलता के साधन जुटायें, अन्यथा आरोप व क्लेश संभव है।

मिथुन राशि- अधिकारियों से मेल-मिलाप स्थगित रखें, क्लेश व अशांति का वातावरण बनेगा।

कर्क राशि- विरोधी प्रबल होंगे, परेशानी से बचिये, जल्दबाजी से कार्य में हानि हो सकती है।

सिंह राशि- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, मान-प्रतिष्ठा, सुख के साधनों में वृद्धि होगी।

कन्या राशि- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, धन का व्यय होगा, सुख में वृद्धि होगी।

तुला राशि- संतान से सुख एवं सम्पन्नता के योग बनेंगे, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि- कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, इष्ट मित्रों से परेशानी होगी।

धनु राशि- कार्य-व्यवसाय उत्तम, किराना-कपड़ा व्यवसाय अवश्य ही बढ़ेगा।

मकर राशि- स्त्री कष्ट, समय और धन नष्ट होगा, स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि- षड़यंत्र व कष्टप्रद स्थिति सामने आयेगी, कुटुम्ब के लोग पीड़ा पहुंचायेंगे।

मीन राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यवसाय की चिन्ता होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

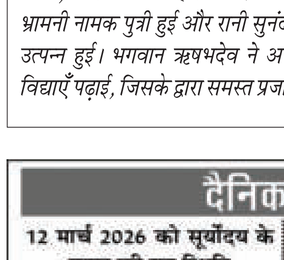

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.24 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.54 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.35 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.33 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.46 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.02 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.14 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.40 ब.से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	धनु	00.56 बजे से
		मकर	03.01 बजे से
		कुंभ	04.47 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 71 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) पक्ष कृष्ण
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र मूल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असुक) 09.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 17.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872646
जूलियन दिन 2461111.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

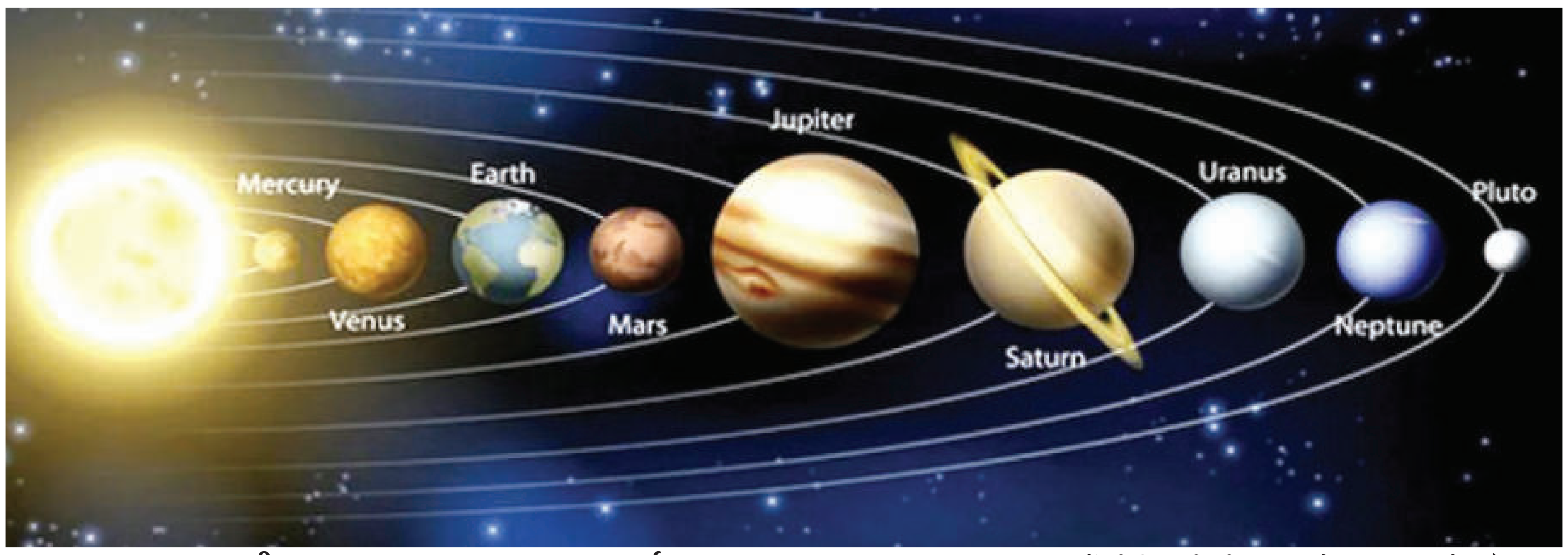

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।
ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।
कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।
कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।
वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।
गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।
अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।
व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।
साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।
आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।
आचरण की शुद्धि के लिए प्रातः और सायंकाल ध्यान करें।
इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।
जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।
व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।
अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।
एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।
साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।
जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।
आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।
दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।
इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

भगवान राम के आलौकिक कार्य

हिंदू धर्म में भगवान राम को विष्णु का अवतार माना गया है। इनके बारे में कई ग्रंथ लिखे गए। रामचरितमानस में भगवान राम की महिमा को जो वर्णन मिलता है। वह सभी के दिलों को छू लेता है। क्या आप जानते हैं विष्णु जी के सातवें अवतार श्री राम ने मर्यादा की स्थापना और अपनी मां कैकेयी की इच्छापूर्ति के लिए राजगद्दी छोड़ दी थी और वनवास स्वीकार किया था। इसलिए ही श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

श्री राम के जीवनकाल को महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत महाकाव्य रामयण में वर्णित किया है। राम पर तुलसीदास ने भी रामचरितमानस रचा है। राम के अलौकिक कार्यों को वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य में संस्कृत में वर्णित किया, जिसे तुलसीदासजी ने रामचरितमानस नाम से अवधि में रचा।

कहा जाता है कि भगवान राम का जन्म मनु के 10 पुत्रों में से एक पुत्र इक्ष्वाकु के कुल में हुआ था।

चैत्र नवमी को भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। इसी उपलक्ष्य में चैत्र नवमी को रामनवमी के रूप में भी जाना जाता है।

ऐसा भी कहा जाता है कि माता सीता की रावण से रक्षा करने जाते समय रास्ते में आए समुद्र को पार करने के लिए भगवान राम ने एकादशी का व्रत किया था।

माना जाता है कि भगवान राम ने रावण को युद्ध में परास्त करने के बाद रावण के छोटे भाई विभीषण को लंका का राजा बना दिया था।

पुराणों में कहा गया है कि माता कैकेयी के कहे अनुसार वनवास जाते समय भगवान राम की आयु 27 वर्ष थी.

राम-रावण के युद्ध के समय इंद्र देवता ने श्री राम के लिए दिव्य रथ भेजा था। इसी में बैठकर भगवान राम ने रावण का वध किया था।

राम-रावण का युद्ध खत्म न होने पर अगस्त्य मुनि ने राम से आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करने को कहा था।

अरण्य नामक राजा ने रावण को श्राप दिया था कि मेरे वंश से उत्पन्न युवक तेरी मृत्यु का कारण बनेगा। इन्ही के वंश में श्री राम ने जन्म लिया था। यह भी कहा जाता है कि गौतम ऋषि ने अपनी पत्नी अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप दिया था. इस श्राप से उन्हें भगवान राम ने ही मुक्ति दिलाई थी।

हथेली से जानें व्यक्ति का स्वभाव

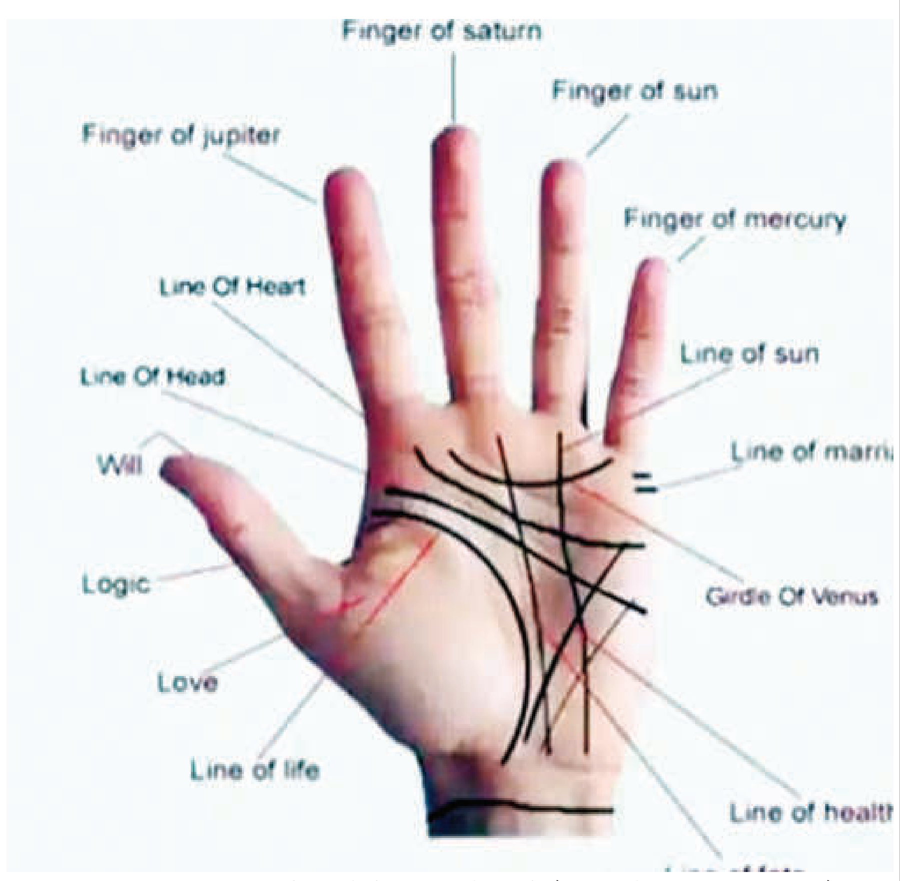

आप किसी भी व्यक्ति की हथेली को देखकर जान सकते हैं कि वह इंसान क्रोधी स्वभाव का है या फिर शांत यानि मृदु स्वभाव का है। इसको जानने से पहले आपको हथेली को ध्यान से देखना होगा, इसके लिए कुछ बात का ध्यान रखना होगा।

ऐसी हथेली वाले होते हैं गुस्सैल

अपने किसी भी हाथ की हथेली को सामने की ओर सीधा खोलकर रख लें। अब आप अपनी तर्जनी अंगुली यानि अंगूठे के बाद वाली अंगुली और अंगुठे को ध्यान से देखें।

यदि आपका अंगूठा तर्जनी अंगुली के मूल भाग के बराबरी पर आता है तो आप गुस्सैल स्वाभाव के हो सकते हैं। आपको जल्दी गुस्सा आता है। आप छोटी छोटी बातों पर गुस्सा होने वाले व्यक्ति हो सकते हैं।

ऐसी हथेली वाले होते हैं शांत स्वभाव वाले

यदि आपका अंगूठा तर्जनी अंगूली के मूल भाग से आगे तक जाता है तो आप शांत यानि मृदु स्वभाव के हो सकते हैं। आप प्राय: शांत रहने वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा नहीं होते है। गुस्सा आता भी है तो जल्द ही खत्म भी हो जाता है।

बेड के नीचे ज्यादा सामान रखना बढ़ाता है नकारात्मकता

बेडरूम ऐसी जगह मानी जाती है जहां व्यक्ति दिनभर की थकान के बाद आराम करता है, इसलिए यहां की व्यवस्था और वस्तुओं का सही स्थान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि बेड या उसके आसपास कुछ चीजों को गलत तरीके से रखा जाता है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका असर मानसिक शांति और जीवन की संतुलित स्थिति पर पड़ सकता है। कई लोग कमरे को व्यवस्थित दिखाने के लिए बेड के नीचे अलग-अलग सामान रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे उचित नहीं माना गया है। माना जाता है कि बेड के नीचे ज्यादा सामान रखने से ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। खासतौर पर लोहे से बनी वस्तुओं को बेड के नीचे रखने से बचना चाहिए। ऐसी वस्तुएं जो लंबे समय तक उपयोग में नहीं आतीं, उन्हें बेड के नीचे जमा कर देने से वातावरण में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

झाड़ू को भी बेड के नीचे रखना उचित नहीं माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इससे घर के वातावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए झाड़ू को हमेशा निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर माना जाता है।

इसी तरह सोने-चांदी के आभूषण भी बेड के नीचे नहीं रखने चाहिए। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ नहीं माना जाता और ऐसा करने से आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मान्यता है।

अक्सर लोग पढ़ते-पढ़ते किताबें या अन्य चीजें बेड पर ही छोड़ देते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना उचित नहीं माना जाता। बेड को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। माना जाता है कि बेड पर अनावश्यक वस्तुएं छोड़ने से मानसिक अशांति और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।

सोने वाले स्थान के आसपास भी कुछ चीजों को रखने से बचना चाहिए। जूते-चप्पल को बेड के पास रखना वास्तु की दृष्टि से सही नहीं माना जाता। इन्हें हमेशा कमरे के निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर होता है।

इसी तरह कई लोग रात में सुविधा के लिए पानी की बोतल बेड के बिल्कुल पास रख लेते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसे थोड़ी दूरी पर रखना अधिक उचित माना जाता है। इसके अलावा घड़ी, लैपटॉप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बेड पर या उसके आसपास छोड़ना सही नहीं माना जाता, क्योंकि इससे विश्राम के वातावरण पर असर पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में बेडरूम और उसमें रखे बेड की दिशा को भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि यदि बेड सही दिशा में रखा हो तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर बना रहता है। वास्तु नियमों के अनुसार बेडरूम का स्थान उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना शुभ माना जाता है। वहीं बेड को इस प्रकार रखना उचित माना जाता है कि सोते समय सिर की दिशा दक्षिण या पूर्व की ओर हो।

उत्तराखंड के इस प्राचीन काली मंदिर का है अपना अलग महत्व

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पर्वतों के बीच कालापानी का प्राचीन काली मंदिर बना हुआ है। कहा जाता है कि यहीं से काली नदी की शुरुआत होती है। लोगों की मान्यता है कि मंदिर के पास बहने वाली एक छोटी सी पवित्र धारा ही आगे चलकर काली नदी का रूप ले लेती है। यही काली नदी आगे जाकर भारत और नेपाल के बीच प्राकृतिक सीमा भी बनाती है। मंदिर परिसर में बहते इस जल को लोग देवी काली का आशीर्वाद मानते हैं और श्रद्धा के साथ इसे अपने साथ ले जाते हैं।

कालापानी का यह काली मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अहम पड़ाव भी है। जो भी यात्री इस दुर्गम और दिव्य यात्रा पर निकलते हैं, वे यहां रुककर माता काली के दर्शन जरूर करते हैं और आगे की यात्रा के लिए आशीर्वाद लेते हैं। चारों तरफ फैली बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, ठंडी हवाएं और शांत वातावरण इस जगह को और भी विशेष बना देते हैं। मंदिर के पास ही व्यास गुफा भी स्थित है।

मान्यता है कि महान ऋषि वेद व्यास ने इसी गुफा में बैठकर कठोर तपस्या की थी और यहीं से उन्होंने ज्ञान की अलौकिक रोशनी से मानवता को मार्ग दिखाया। इसी कारण यह स्थान सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि एक पवित्र तपोभूमि भी माना जाता है। मान्यता है कि यह जगह पांडवों की कथाओं से भी जुड़ी हुई है। माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था। आसपास के कई स्थानों के नाम जैसे भीम शिला और युधिष्ठिर मार्ग इन्हीं कथाओं से जुड़े बताए जाते हैं। इस क्षेत्र में रहने वाला भोटिया समुदाय काली माता को अपना रक्षक देवता मानता है। उनका विश्वास है कि माता काली इस पूरी घाटी की रक्षा करती हैं और सच्चे मन से आने वाले यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनाती हैं।हालांकि कालापानी तक पहुंचना आसान नहीं है। यात्रियों को धारचूला से कठिन पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

पाक गेंदबाज का दावा, बुमराह को मैंने सिखाई धीमी गेंद

दुबई। पाकिस्तानी मूल के यूएई के एक गेंदबाज जहूर खान ने दावा किया है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने धीमी गेंदें फेंकना उनसे सीखा है। : अपने इस दावे के बाद से ही जहूर सोशल मीडिया पर छाये हुए हैं। इस गेंदबाज के अनुसार बुमराह का एक्शन भी इसी कारण उनके जैसा ही है। इस गेंदबाज के अनुसार इस प्रकार की गेंदबाजी देखकर ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर शेन वॉर्न भी हैरान हो गये थे। टी20 विश्वकप में बुमराह की जबरदस्त गेंदबाजी के बाद जहूर को ये वीडियो पुराना है एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो 2023 के एकदिवीसय विश्व कप के कुछ समय बाद का लग रहा है क्योंकि उसमें उन्होंने भारत में हुए विश्व कप में मोहम्मद रिजवान को धीमी गेंद पर बुमराह के बोल्ड करने की भी बात कही है। वीडियो क्लिप में जहूर खान कहते हैं, 'बुमराह जो धीमी गेंद करता था न पहले सामान्य करता था।

जय शाह ने दिया था मुझे मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते है। उनके मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्वकप जीता है। गंभीर हालांकि टेस्ट प्रारुप में टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके कारण वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे हैं। गंभीर का कहना है कि उन्हें कोचिंग को कोई अनुभव नहीं था पर तत्कालीन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें मुख्य कोच बनने का प्रस्तान दिया था जिसके लिए वह मना नहीं कर पाये हालांकि इससे पहले उन्होंने अपने परिवार और पत्नी से बात की थी।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है।

28 मार्च को बेंगलुरु में आरसीबी-एसआरएच का ओपनिंग मैच

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2026 के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल बुधवार को जारी कर दिया गया है। ओपनिंग मैच 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। इसी मैदान में पिछले साल 4 जून को आरसीबी के पहले टाइटल जीतने के बाद हुई विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी और इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

आईपीएल 2026 के पहले फेज में 16 दिन में 20 मैच खेले जाएंगे। इनमें 4 डबल हेडर शामिल हैं। 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला मैच खेलेगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली टीम में संजू सैमसन पहली बार खेलते दिखेंगे। वे टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

दूसरे फेज का शेड्यूल चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद जारी होगा: आईपीएल के दूसरे फेज का शेड्यूल 5 राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद जारी किया जाएगा। 2008 में शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, तब टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है।

2 दिन टली ओपनिंग: देश के 5 राज्यों में चुनाव के कारण आईपीएल के ओपनिंग मैच को 2 दिन बढ़ाया गया है। पहले लीग की शुरुआत 26 मार्च को होनी थी, लेकिन अब लीग 28 मार्च को होगी। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में 4 ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं। जहां आईपीएल के मैच होने हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

आरसीबी ने जीता था पिछले सीजन का खिताब: बेंगलुरु की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, इसलिए परंपरा के अनुसार टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला उसी के होमग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रखा गया है। आरसीबी ने पिछले सीजन के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता था।

विक्ट्री परेड में 11 लोगों की जान गई थी: 4 जून 2025 को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न मनाते समय भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 से अधिक लोग घायल हो गए। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग का टाइटल जीता था। आरसीबी के आईपीएल विक्ट्री सेलिब्रेशन में 11 फैंस की मौत हो गई थी।

पूरा सीजन खेलेंगे धोनी :सीएलके सीईओ बोले- उनकी भूमिका पर फैसला कोचिंग स्टाफ करेगा, ट्रेनिंग शुरू की भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 में पूरा सीजन खेलेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम में धोनी की भूमिका क्या होगी, इसका फैसला कोचिंग स्टाफ करेगा।

इंडियन वेल्स में जापान की नओमी ओसाका बीएनपीए परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई।

इंदौर में राज्य स्तरीय वालीबॉल 22 मार्च को

सीटीसी वालीबॉल क्लब के आयोजन में प्रदेश भर की दिग्गज टीमें दिखाएंगी अपना दमखम

इंदौर ■ निसं

खेलों के प्रति उत्साही इंदौर शहर में एक बार फिर वालीबॉल का शानदार मुकाबला देखने को मिलेगा। किला मैदान रोड स्थित सीटीसी वालीबॉल क्लब के मैदान पर आगामी रविवार, 22 मार्च को एक दिवसीय राज्य स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस भव्य आयोजन में मध्य प्रदेश की कई नामी टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे खेल प्रेमियों को उच्च स्तरीय मुकाबले देखने का अवसर मिलेगा।

स्पर्धा सचिव नरेश दुबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में इंदौर और भोपाल की टीमों के साथ-साथ देवास, धार, झाबुआ, उज्जैन और पालिया की टीमें भी अपना कौशल दिखाएंगी। इसके अलावा ब्रदर्स क्लब और एमटीएच जैसी प्रतिष्ठित टीमें भी खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पूरी प्रतियोगिता डायरेक्ट फिक्स पद्धति से खेली जाएगी, जिसमें हारने वाली टीम सीधे बाहर हो जाएगी और जीतने वाली आगे बढ़ेगी।

खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आयोजकों ने नकद पुरस्कार और ट्रॉफी की घोषणा की है। विजेता और उपविजेता टीमों के साथ-साथ तीसरे स्थान पर रहने वाली हार्डलाइन टीम को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जो टीमें इस स्पर्धा में भाग लेना चाहती हैं, वे मरीमाता चौराहा स्थित विशाल टेलर्स पर श्री गोवर्धन रघुवंशी से उनके मोबाइल नंबर 9301651407 पर संपर्क कर अपनी एंट्री दर्ज करा सकती हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए क्लब ग्राउंड पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के बाद आईसीसी की पहली रैंकिंग

अभिषेक नंबर-1, ईशान किशन नंबर-2 बैटर, हाईएस्ट विकेट टेकर वरुण पहले स्थान से फिसले

दुबई ■ एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा बदलाव टी-20 रैंकिंग में हुए हैं। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन टी20 के बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-2 पोजिशन पर हैं।

अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाया था। ईशान किशन 871 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 317 रन बनाए। ईशान ने दो स्थान की छलांग लगाई।

8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला गया था। इसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन के अंतर से हराया और अपना टाइटल डिफेंड किया था। टीम इंडिया ने तीसरी बार यह टूर्नामेंट जीता था।

टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल टॉप-10 टी-20 बैटर्स की लिस्ट में 4 भारतीय शामिल हैं। इनमें अभिषेक नंबर-1, ईशान नंबर-2, तिलक वर्मा नंबर-7 और सूर्यकुमार यादव नंबर-9 पर हैं। तिलक वर्मा को एक और सूर्या को दो स्थान का नुकसान हुआ है। न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट चार स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के जैकब बेथेल 17 स्थान ऊपर आकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण नंबर-2 पर आए, राशिद बॉलर्स में टॉप पर आए गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान 753 अंक के साथ नंबर-1 बन गए हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती 740 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। वरुण और बुमराह 14-14 विकेट लेकर टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर्स रहे हैं।

अक्षर पटेल 17वें, हार्दिक पंड्या 46वें और साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद चौथे स्थान पर हैं।

ऑलराउंडर्स में पंड्या दूसरे नंबर पर ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा पहले और भारत के हार्दिक पांड्या दूसरे स्थान पर हैं।

व्यापार समाचार

पश्चिम एशिया में तनाव से बाजार पर दबाव

सेंसेक्स 976 अंक टूटा, निफ्टी 24000 के नीचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। वहीं पिछले दिन मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक उछलकर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 233.55 अंक की बढ़त के साथ 24,261.60 पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच एक दिन की राहत के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में बिकवाली के कारण भी बाजार में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 91.89 पर आ गया। सेंसेक्स 11:50 तक 975.74 अंक या 1.25% टूटकर 77,230.24 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 267.75 अंक या 1.10% गिरकर 23,993.85 अंक पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 96.12 अंक गिरकर 78,109.86 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 22.95 अंक गिरकर 24,238.65 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल: सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फिनसर्व प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एनटीपीसी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

बाजार में सतर्कता बनी हुई है: ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि हालांकि मंगलवार को शेयर बाजारों में तकनीकी रूप से सुधार देखने को मिला, लेकिन अंतर्निहित भावना सतर्कता बनी हुई है क्योंकि पश्चिम एशिया में गहराता संकट ऊर्जा की बढ़ती कीमतों, प्रमुख शिपिंग मार्गों में व्यवधान और निवेशकों की जोखिम लेने की प्रवृत्ति में बदलाव के माध्यम से वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रभावित करना शुरू कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इक्विटी बाजार के दृष्टिकोण से, इस तरह की भू-राजनीतिक उथल-पुथल से अस्थिरता के तीव्र दौर उत्पन्न होते हैं क्योंकि वैश्विक निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख करते हैं और जोखिम-संवेदनशील बाजारों में अपना जोखिम कम करते हैं। लिवेलॉन्ग वेल्थ के रिसर्च एनालिस्ट और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि वैश्विक संकेत मिले-जुले बने हुए हैं क्योंकि निवेशक पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों और कच्चे तेल की कीमतों में हो रहे तीव्र उतार-चढ़ाव पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

एशियाई बाजारों में दिखी तेजी: एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.5 प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहा था। शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी सकारात्मक दायरे में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 87.46 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा: वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.39 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 87.46 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 639.82 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 78,205.98 पर बंद हुआ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली डी प्लस एसयूवीं एमजी मैजिस्टर के लिए पेश किया यूनीक 5-5-5 प्रोग्राम

गुरूग्राम ■ एजेंसी

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी डी प्लस एसयूवीं एमजी मैजिस्टर के लिए यूनीक 5-5-5 ओनरशिप प्रोग्राम लॉन्च कर कस्टमर्स को लॉन्ग-टर्म ओनरशिप का भरोसा दिया है। इस सेग्मेंट में जहां कस्टमर्स परफॉर्मेंस, साइज और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी में निवेश किया गया है वहीं 5-5-5 प्रोग्राम को रनिंग कॉस्ट और नेशन वाइड सपोर्ट को ध्यान में रखते हुए एक शानदार ओनरशिप एक्सपीरियंस और लंबे समय तक लागत का सही अनुमान देने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्टैंडअलोन वारंटी एक्सटेंशन या ऑप्शनल सर्विस पैकेजेज से अलग, 5-5-5 प्रपोजल मैजिस्टर कस्टमर्स के लिए 5 साल की अनलिमिटेड किलोमीटर वारंटी, 5 साल की फ्री रोडसाइड असिस्टेंस और 5 लेबर-फ्री सर्विसेज को एक यूनिफाइड, स्टैंडर्ड ऑफरिंग के रूप में पेश करता है। कस्टमर्स के लिए इसका मतलब है वारंटी कवरेज पर कोई किलोमीटर कैप नहीं। पूरे पांच साल पूरे देश में ब्रेकडाउन सपोर्ट, और ओनरशिप के शुरुआती सालों में कम सर्विस लागत। हाई-माइलेज यूजर्स, लॉन्ग-डिस्टेंस ट्रैवलर्स और ऑफ-रोड शौकीनों के लिए, यह खर्चे का सही आकलन करने की क्षमता और कम्प्लीट पीस ऑफ माइंड देता है।

इस विषय में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, विनय रैना ने कहा, 'एमजी मैजिस्टर को एक ऐसी एसयूवीं के रूप में बनाया गया है जो अपनी क्षमता में मजबूत, अपने कम्फर्ट में परिष्कृत और अपनी इंजीनियरिंग में भरोसेमंद है। हमारे लिए एक मजबूत प्रोडक्ट देना कमिटमेंट का सिर्फ एक हिस्सा था साथ ही ओनरशिप में कम्प्लीट पीस ऑफ माइंड सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था। 5-5-5 प्रोग्राम के साथ, हमने पहले दिन से ही प्रपोजल में स्ट्रक्चर्ड, लॉन्ग-टर्म अश्योरेंस को शामिल कर दिया है। यह हमारी कस्टमर-फर्स्ट फिलॉसफी और इंडियन कंडीशंस और यूसेज पैटर्न के लिए इंजीनियर की गई फुल-साइज एसयूवीं के रूप में मैजिस्टर में हमारे विश्वास का परिचायक है।'

2.0-लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन से पावर्ड यह बेस्ट-इन-सेग्मेंट 215.5 PS और 478.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसे बेस्ट-इन-क्लास 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन (2WD और एडवांस्ड 4WD कॉन्फिगरेशन दोनों में) के साथ जोड़ा गया है, एमजी मैजिस्टर सीरियस कैपेबिलिटी के लिए बनाई गई है। इसमें फर्स्ट-इन-सेग्मेंट ट्रिपल डिफरेंशियल लॉक (फ्रंट, रियर और सेंटर), 10 ऑफ-रोड मोड्स के साथ एडवांस्ड 4WD सिस्टम, और एक्सट्रीम टेरेन मास्टरी के लिए क्रॉल कंट्रोल मोड, साथ ही 219 एमएम ग्राउंड क्लियरेंस और 810 एमएम की वॉटर वेडिंग क्षमता दी गई है।

अमेरिका ने किया 300 अरब डॉलर की डील का ऐलान

नई दिल्ली। मीडिल ईस्ट में युद्ध के माहौल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 300 अरब डॉलर की मेगा डील का ऐलान किया है, जिसमें भारत की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल होगी। यह निवेश टेक्सास में बनने वाली एक विशाल ऑयल रिफाइनरी परियोजना से जुड़ा है। ट्रंप ने इसे ऐतिहासिक डील बताते हुए कहा कि यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा और हजारों नई नौकरियां पैदा करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिका फर्स्ट रिफिनिंग द्वारा टेक्सास के ब्राउनस्विल बंदरगाह पर लगाई जाएगी। उनका कहना है कि यह पिछले करीब 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली पहली नई ऑयल रिफाइनरी हो सकती है। यह परियोजना देश की रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। हालांकि फिलहाल इस निवेश की फंडिंग और वित्तीय संरचना को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। अमेरिका टेक्सास के ब्राउन्सविल में नए तेल रिफाइनरी खुलेगी, 50 सालों में पहली होगी।

एसएआईएल के शेयर का टारगेट प्राइस 200 रुपए तय

नई दिल्ली। सरकारी स्टील कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयर को लेकर ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई डायरेक्ट काफी उत्साहित हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि कंपनी को आगे मजबूत मांग और सरकारी नीतियों का लाभ मिल सकता है। इसलिए ब्रोकरेज ने इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने एसएआईएल के शेयर के लिए 200 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है। मौजूदा कीमत के मुकाबले इसमें करीब 33फीसदी तक बढ़त की संभावना है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर एसएआईएल का शेयर पिछली ट्रेडिंग में 150.15 रुपए पर बंद हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीआईसीआई डायरेक्ट का कहना है कि आने वाले सालों में भारत में स्टील की मांग बढ़ सकती है। इसका फायदा एसएआईएल जैसी स्टील कंपनियों को मिल सकता है। भारत आज तैयार स्टील का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति स्टील का इस्तेमाल अभी भी कम है। भारत में एक व्यक्ति औसतन करीब 103 किलोग्राम स्टील इस्तेमाल करता है, जबकि दुनिया का औसत करीब 215 किलोग्राम है। सरकार का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2031 तक कच्चे स्टील की क्षमता 300 मिलियन टन तक पहुंचाई जाए और प्रति व्यक्ति इस्तेमाल को 160 किलोग्राम तक बढ़ाया जाए। ऐसे में आने वाले समय में देश में स्टील की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

रूफटॉप आर्गेनिक बागवानी के प्रोत्साहन के लिए पीएनबी ने लॉच की डिजिटल ऋण 'पीएनबी गृह वाटिका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पंजाब नेशनल बैंक भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, ने 'पीएनबी गृह वाटिका' नामक नई डिजिटल ऋण योजना की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य घरों की छतों, बालकनी, आंगनों और टैरेस को पोषण और आत्मनिर्भरता के केंद्र में बदलना है। डिजिटल ऋण पीएनबी गृह वाटिका के माध्यम से, बैंक का लक्ष्य परिवारों को घरेलू उपयोग के लिए ताज़ी और रसायन मुक्त सब्जियाँ उगाने के लिए सशक्त बनाना है। वित्तीय सहायता का उपयोग जैविक खेती के लिए आवश्यक सामग्री और आधुनिक ढाँचे जैसे हाइड्रोपोनिक सिस्टम, वर्टिकल गार्डनिंग, ड्रिप इरीगेशन किट आदि की स्थापना में किया जा सकता है।

स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरणीय चिंताओं के बीच, घर-आधारित जैविक खेती देशभर में लोकप्रिय हो रही है। पीएनबी गृह वाटिका इस सकारात्मक बदलाव को गति देने के लिए सरल डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराती है। यह पहल बैंक की ग्राहक-केंद्रित नवाचार, वित्तीय समावेशन और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डाबर वाटिका का नया अभियान- 'वाटिका आई एम मोर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डाबर वाटिका ने 'वाटिका आई एम मोर' नाम से एक नई और प्रभावशाली मुहिम शुरू की है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को कम आंकने वाली भाषा को चुनौती देना है। अक्सर महिलाओं की पहचान उनकी योग्यता के बजाय उनके जेंडर के आधार पर की जाती है, जैसे: महिला क्रिकेटर, महिला सीईओ या महिला अभिनेत्री। इसके अलावा, उनकी सफलता को अक्सर 'सिर्फ' शब्द से जोड़ा जाता है-जैसे कि वह 'सिर्फ' भाग्यशाली थीं या 'सिर्फ' भावुक थीं। 'वाटिका आई एम मोर' इन शब्दों को हटाकर एक ऐसी नई सोच बनाना चाहता है, जहाँ महिलाओं के साहस और उनकी बहुमुखी पहचान का सम्मान हो।

डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड (हेयर केयर), अंकुर कुमार ने कहा: 'वाटिका में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि एक महिला की पहचान बहुत गहरी और बहुआयामी होती है। यह अभियान उन बंदिशों के खिलाफ खड़ा होने का हमारा तरीका है, जिनमें समाज महिलाओं को बांधने की कोशिश करता है। हम एक ऐसी वैश्विक चर्चा शुरू करना चाहते हैं जो 'सिर्फ' शब्द से आगे बढ़े-क्योंकि एक महिला 'सिर्फ' कुछ नहीं होती; वह प्रकृति की एक शक्ति, एक लीडर और एक निर्माता है।' यह अभियान एक मर्मस्पर्शी फिल्म के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो दिखाती है कि भाषा कैसे हमारी सोच को बदलती है। फिल्म यह दर्शाती है कि कैसे एक छोटा सा शब्द सालों की कड़ी मेहनत को कम कर सकता है। इसके जरिए महिलाओं को अपनी पहचान वापस पाने और यह घोषित करने के लिए प्रेरित किया गया है कि वे समाज द्वारा थोपे गए लेबल से कहीं बढ़कर हैं।

हावास क्रिएटिव इंडिया की चीफ क्रिएटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर, अनुपमा रामास्वामी ने कहा: 'भाषा समाज के भेदभाव का आईना है। सालों से मैं देख रही हूँ कि कैसे 'महिला' जैसे शब्द उपलब्धियों के आगे लग जाते हैं, जिससे ध्यान योग्यता से हटकर जेंडर पर चला जाता है। लंबे समय से 'सिर्फ' शब्द का इस्तेमाल महिलाओं के बड़े प्रभाव को छोटा दिखाने के लिए किया गया है। इस अभियान के साथ हम यह याद दिला रहे हैं कि योग्यता का कोई जेंडर नहीं होता।'

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं।

देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती। हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती।

13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

फैसले पर पिता अशोक ने कहा: हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे, तब से बिस्तर पर: दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं।

डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में शेक्सपीयर का जिक्र किया जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।'

लाइफ सपोर्ट हटाने का निर्णय दो आधारों पर होना चाहिए: अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर का कर्तव्य मरीज का इलाज करना है, लेकिन जब मरीज के ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो यह कर्तव्य उसी रूप में कायम नहीं रहता।सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कानून बनाने को कहा: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव यूथेनेशिया पर कानून बनाने पर विचार करने का भी कहा। फिलहाल भारत में यह केवल सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के आधार पर ही संभव है, जिसमें मरीज की स्थिति पर दो मेडिकल बोर्ड की राय जरूरी होती है।पैसिव यूथेनेशिया: इसमें मरीज का इलाज या लाइफ सपोर्ट जैसे वेंटिलेटर, फीडिंग ट्यूब या दवाइयां रोक दी जाती हैं, ताकि उसकी मौत प्राकृतिक रूप से हो सके। इसमें डॉक्टर कोई नया काम नहीं करते, सिर्फ इलाज बंद कर देते हैं। मौत का कारण बीमारी ही रहती है।

अविश्वास प्रस्ताव गिरने के बाद संसद में बोले-स्पीकर ओम बिरला

पीएम हों या विपक्ष सदन नियमों से चलता है, विशेषाधिकार नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन में अपने खिलाफ लाए गए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर अपने विचार रखें। ओम बिरला ने कहा कि सदन नियमों से चलता है और नियमों का लागू करना उनका दायित्व है।

ओम बिरला ने कहा कि उन्होंने हमेशा यह प्रयास किया है कि लोकसभा में हर सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार रखें, इसके लिए उन्होंने सभी को समय देने का प्रयास किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो।

उन्होंने कहा, मैंने अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के साथ ही लोकसभा की कार्यवाही के संचालन से खुद को अलग कर लिया। सदन द्वारा मुझ पर

व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा के साथ निभाऊंगा।

ओम बिरला ने कहा, कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है और चाहे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों, विपक्ष के नेता हों या अन्य सदस्य, सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। ये नियम सदन ने ही बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं। ओम बिरला ने कहा, सदन द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा के साथ निभाऊंगा।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि लोकसभा में प्रत्येक सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार रखें, इसके लिए सभी को समय देने का प्रयास किया है ल्ज् बिरला ने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो।

उन्होंने आसन द्वारा विपक्षी सदस्यों के बोलते समय माइक बंद किए जाने के आरोपों पर कहा, अध्यक्ष के पास माइक ऑन करने या बंद करने का अधिकार नहीं है। विपक्ष के जो नेता पीठासीन सभापति होते हैं उनको इस बारे में पता है।

विपक्ष ने आरोप लगाया था कि ओम बिरला सदन संचालन में पक्षपात कर रहे थे और विपक्षी सांसदों को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दे रहे थे। अगर लोकसभा के इतिहास को खंगालें तो पता चलता है कि इससे पहले भी स्पीकरों के खिलाफ ऐसे प्रस्ताव लाए जा चुके हैं।

अभेद्य रहेगा राष्ट्रपति का सुरक्षा घेरा, खुफिया एजेंसियों ने डाला डेरा, बनाए गए 12 नोडल अधिकारी

अयोध्या ■ एजेंसी

राम मंदिर के नव संवत्सर कार्यक्रम में आ रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सुरक्षा घेरा अभेद्य करने की कवायद शुरू हो गई। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस इकाइयों के जवान तैनात रहेंगे, जिनके समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं।

आगामी 19 मार्च को राष्ट्रपति के हाथों राम मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना होनी है। इसी दौरान सम्मान समारोह का आयोजन होगा, जिसमें राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कारसेवकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में राम मंदिर के कुछ मंदिरों पर ध्वजारोहण भी किया जाएगा। आयोजन में लगभग छह हजार वीवीआईपी के आने की उम्मीद है। आयोजन के वृहद् स्वरूप को लेकर पिछले करीब एक माह से ही मंदिर ट्रस्ट के अलावा पुलिस-प्रशासन के लोग तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं, राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए पुलिस ने युद्धस्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर एयरपोर्ट, साकेत महाविद्यालय के हेलीपैड स्थल, राम मंदिर, राष्ट्रपति के आवागमन के रूट, मंदिर भ्रमण के रूट आदि पर 12 नोडल अधिकारी नामित किए हैं। उनके अधीन समूहों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। यह नोडल अधिकारी राष्ट्रपति के अलग-अलग सुरक्षा घेरे में तैनात विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करेंगे।

सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति की सुरक्षा में सबसे भीतरी घेरा उनकी पारंपरिक सैन्य इकाई के जवान संभालेंगे। इनके साथ नजदीकी सुरक्षा में विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। इसके बाद के घेरों में स्थानीय पुलिस, खुफिया इकाइयों और विशेष सुरक्षा बलों के जवानों की तैनाती रहेगी। आयोजन को लेकर बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और खुफिया टीमें लगातार निगरानी रखेंगी। आवागमन मार्गों की पहले से ही गहन जांच कराई जा रही है।

पिता से मिले उमर

जम्मू में हत्या की कोशिश के बाद फारूक अब्दुल्ला की पहली प्रतिक्रिया-अल्लाह ने मुझे बचा लिया

जम्मू ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक शादी समारोह के दौरान जानलेवा हमला हुआ। हमलावर ने पीछे से गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन फारूक अब्दुल्ला बाल-बाल बच गए। इस घटना के बाद पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अल्लाह ने मुझे बचा लिया।

यह घटना शहर के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश में एक शादी समारोह के दौरान हुई। जब फारूक अब्दुल्ला कार्यक्रम से निकल रहे थे, तभी कमल सिंह जामवाल नामक एक व्यक्ति ने कथित तौर पर उन पर गोली चलाने का प्रयास किया। हालांकि, गोली अब्दुल्ला को नहीं लगी और वे सुरक्षित रहे। हमलावर को तुरंत पकड़ लिया गया।

इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती पर इस तरह का हमला चिंता का विषय है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और हमलावर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद, फारूक अब्दुल्ला ने शांत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ईश्वर की कृपा थी कि वे सुरक्षित बच गए।

उन्होंने इस घटना को लेकर किसी भी तरह की विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर हुए जानलेवा हमले के बाद उनसे मिलने पहुंचे हैं। बुधवार देर रात एक शादी समारोह में फारूक अब्दुल्ला पर हमला हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी इस हमले पर चिंता जताई और कहा कि यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार सुबह अपने पिता फारूक अब्दुल्ला के घर पहुंचे। गोलीबारी की घटना के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के आवास पर पहले से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई।वहीं, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, फारूक अब्दुल्ला साहब पर हुए गंभीर हमले के बारे में सुनकर हैरान हूं। यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित और ठीक हैं। उम्मीद है कि पुलिस इस सुरक्षा चूक की तह तक पहुंचेगी। कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने इस घटना को एक गंभीर सुरक्षा चूक बताया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, फारूक अब्दुल्ला पर शादी समारोह में हुए जानलेवा हमले की खबर सुनकर गहरा आघात पहुंचा। यह गंभीर सुरक्षा चूक स्वीकार्य नहीं है। शुक्र है कि वह सुरक्षित हैं।

एलपीजी संकट की आशंका के बीच सरकार सक्रिय, सुरेश गोपी बोले- अतिरिक्त आपूर्ति के नए रास्ते खुले

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से बने एलपीजी संकट को काबू में करने के प्रयास जारी हैं और भारत के लिए अतिरिक्त गैस आपूर्ति के नए रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएम ने इस मुद्दे पर कई देशों से बातचीत की है।

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के कारण उत्पन्न एलपीजी संकट को लेकर केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को कहा कि भारत के लिए अतिरिक्त एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के नए रास्ते खुल रहे हैं और संकट को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।मंत्री ने बताया कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को संसद में एलपीजी संकट से जुड़े सवालों का जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि कुछ आपूर्ति संबंधी मुद्दों का खुलासा कूटनीतिक संवेदनशीलताओं के कारण सार्वजनिक रूप से नहीं किया जा सकता, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े मामलों पर।

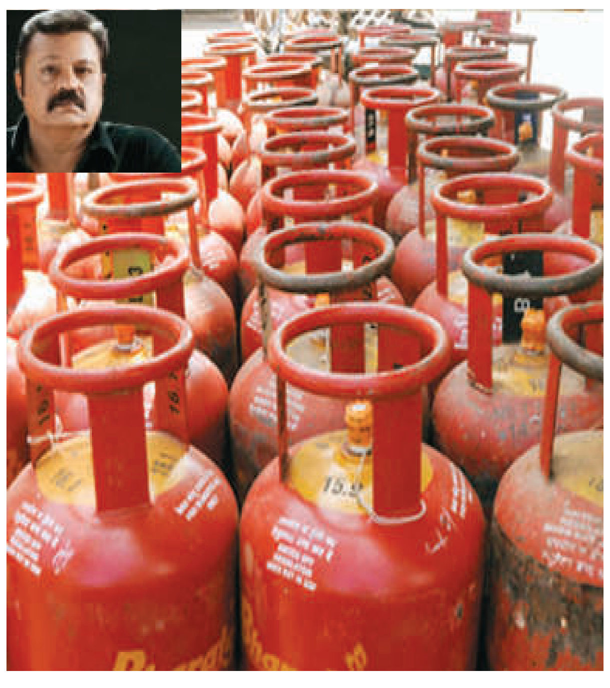

गोपि ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न देशों से बातचीत कर यह मुद्दा उठाया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े संकट का आम लोगों के जीवन पर असर पड़ रहा है और भारत के लिए कुछ राहत या छूट देने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े साझा नहीं किए जा सकते, लेकिन भारत को अतिरिक्त एलपीजी उपलब्ध कराने के रास्ते बन रहे हैं।

मंत्री के अनुसार मौजूदा स्थिति में गैस की आपूर्ति में प्राथमिकता आपात सेवाओं को दी जा रही है। अस्पतालों और श्मशान घाट जैसी आवश्यक सेवाओं को पहले गैस उपलब्ध कराई जा रही है ताकि जरूरी कामकाज प्रभावित न हो।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय के आकलन के अनुसार स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो सकता है मतदान, चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने दिए संकेत

कोलकाता ■ एजेंसी

चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर दो चरणों में चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। हिंसा रोकने और सुरक्षा पुख्ता करने के लिए यह कदम उठाया जा सकता है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने भी कम चरणों में मतदान की मांग की है। इस पर अंतिम फैसला दिल्ली में होने वाली बैठक में होगा।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को इस

बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीखों और चरणों पर अंतिम मुहर नई दिल्ली में होने वाली अगली बैठक के बाद लगेगी। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया अगले महीने से शुरू होने की उम्मीद है। कोलकाता में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हुई बैठक में राज्य के ज्यादातर राजनीतिक दलों ने अपनी राय रखी थी। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर लगभग सभी पार्टियों ने चुनाव एक या दो चरणों में ही कराने की अपील की थी। सुरक्षा एजेंसियों और अन्य अधिकारियों ने भी इसी तरह के सुझाव दिए हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि दो चरणों में मतदान कराने से चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने में बड़ी मदद मिलेगी। इससे गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों को एक इलाके से दूसरे इलाके में जाने का मौका नहीं मिलेगा।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली ■ निसं

उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों

में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
संभाग क्रमांक-1, जी.टी.बी. कॉम्पलेक्स, न्यू मार्केट, भोपाल (म.प्र.)
(का.) 0755-4204217, ई-मेल:eedn1hbbpl@mp.gov.in

आम-सूचना

विश्वकर्मा नगर, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी. - 176 मंडल व्दारा श्रीमती बानो बी एवं श्री रमजान खान के नाम से आवंटित है। उनके व्दारा आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती अरुणा पवार पनि श्री अशोक पवार को हस्तांतरण किये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था को इस में कोई आपत्ति हो तो विज्ञापित प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.पुर. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मण्डल संभाग क्रमांक -1, भोपाल

स्वास्थ्य कारणों से हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन नहीं कर सके

अयोध्या ■ एजेंसी

अयोध्या में नाबालिग से रेप केस में सजायाफ्ता धर्मगुरु आसाराम बापू ने बुधवार को राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। वे तीन वाहनों के काफिले के साथ मंदिर परिसर में पहुंचे। उन्हें मंदिर के उस आदि शंकराचार्य द्वार से प्रवेश दिया गयाए जहां से आमतौर पर वीआईपी अतिथियों को ही प्रवेश मिलता है। इसी गेट से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जैसे विशिष्ट लोग मंदिर में जाते हैं। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद आसाराम को विशिष्ट अतिथि की तरह दर्शन कराए गए। मंदिर निर्माण से जुड़े प्रभारी गोपाल जी ने उन्हें मंदिर की संरचनाए निर्माण कार्य और

विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने रामलला की प्रतिमा को ध्यानपूर्वक निहारा और मंदिर की भव्यता को देखा। मंदिर के सोने के दरवाजोंए दीवारों पर बनी कलाकृतियों और वास्तुकला को भी उन्होंने करीब से देखा। हालांकि अयोध्या के प्रसिद्ध मंदिर हनुमानगढ़ी में वे दर्शन नहीं कर सके। हनुमानगढ़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए काफी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैंए इसलिए स्वास्थ्य कारणों से वे वहां नहीं जा सके।

राम मंदिर में करीब 30 मिनट बिताने के बाद आसाराम वापस लक्ष्मण किला लौट आए। फिलहाल उनका ठहराव इसी स्थान पर हैए जो सरयू तट के पास स्थित एक आचार्य पीठ है। उनके सेवादारों ने यह जानकारी नहीं दी कि अयोध्या के बाद उनका अगला पड़ाव कहां होगा। आसाराम मंगलवार शाम को ही अयोध्या पहुंचे थे।

कार्यालय नगर निगम, भोपाल
जोन क्र. 19.
निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 156/ यां.वि/2026 — भोपाल, दिनांक 10.03.2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज रेट मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	ठेकेदार श्रेणी	निविदा क्रय करने का अंतिम	
					दिनांक	समय
1	2026 _UAD _488189_1	PROVIDING AND LAYING PAVER BLOCK AT KANHAKUNJ BASTI NEAR SANSKRITIK MANCH, W-81,Z-19	3,38,432/-	as per centralized regi	25.03.2026	6.00 PM
2	2026 _UAD _488194_1	PROVIDING AND LAYING PAVER BLOCK IN FRONT OF GOVT PRIMARY SCHOOL GEHUNKHEDA W-81, Z-19.	1,70,794/-	as per centralized regi	25.03.2026	6.00 PM
3	2026 _UAD _488191_1	CONST. OF DRAIN AT RATANPUR SADAK IN FRONT OF VIKRAM HOUSE, W-84, Z-19.	1,80,267/-	as per centralized regi	25.03.2026	6.00 PM

नियम व शर्तें:-

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती हैं।

नि.क्र. 3301/025/026

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म. प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-1, गोमंतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

आम-सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, पंचशील नगर, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक- 160 मण्डल द्वारा श्रीमती नीता शर्मा पत्नी स्व. श्री राम शर्मा के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 12/08/2016 को पंजीकृत है। श्रीमती नीता शर्मा पत्नी स्व. श्री राम शर्मा द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री फईम खान आत्मज श्री मोहम्मद खान को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30/10/2024 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है।

क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री फईम खान आत्मज श्री मोहम्मद खान के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(रविन्द्र निकोसे)
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1, भोपाल 2

साप्ताहिक राज-काज: पं जगत शर्मा / 9399004721

कार्यकर्ता ही संगठन की शक्ति और दिशा तय करते हैं: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

कार्यकर्ता हमारे संगठन की प्रमुख धूरी है,वही तय करते हैं, कि संगठन की शक्ति और दिशा क्या हो। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं का दल है,जहां पर सबसे बड़ा नियम अनुशासन है।एक परिवार की तरह काम करने वाले भाजपा के कार्यकर्ता अनुशासन में बंधे हुए हैं। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम हमेशा कार्यकर्ताओं को बहुत लाभदायक सिद्ध होते हैं।प्रशिक्षण से न केवल कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व उभरता है, बल्कि संगठन को भी शक्ति और दिशा मिलती है।

उक्त विचार प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं की समस्याओं तथा उनसे जुड़े हुए तमाम मुद्दों पर भी बात की।कार्यक्रम में भाजपा के माननीय राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मंचासीन रहे। 'पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला में रखे गए विषय '- वक्ता कार्यशाला' में इंदौर, निमाड़, उज्जैन, मंदसौर संभाग के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भी सीधे तौर पर अपने नेताओं से सवाल जवाब किए।

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह जी, गुजरात के संगठन महामंत्री रत्नाकर जी एवं प्रशिक्षण महाअभियान के क्षेत्रीय प्रभारी के.सी. पटेल जी के साथ साथ इंदौर संभाग के तमाम जिलों के समस्त पदाधिकारी तथा अन्य पदाधिकारीगण कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम के प्रयास से एनएच-752d पर बनेगा फोरलेन हाईवे

मध्य प्रदेश के विभिन्न विभागों में मजबूत सड़कों का जाल बिछाने के लिए प्रयासरत प्रदेश के कम डॉक्टर मोहन यादव ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगातार आग्रह करके एनएच 752 डी पर 3839 करोड रुपए का फोर लाइन हाईवे मंजूर करा लिया है। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा की। गौरतलब है कि यह फोरलेन प्रदेश के विकास में एक नया मील का पत्थर साबित हो सकता है।

सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि -आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय कैबिनेट ने 3,839 करोड़ की लागत से NH-752D पर बदनावर-पेटलावद-थांदला-टिमरवानी सेक्शन के फोर लेन निर्माण को मंजूरी दी है।

यह कॉरिडोर उज्जैन से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के टिमरवानी इंटरचेंज तक सीधी फोर लेन कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

इंदौर, पीथमपुर, उज्जैन और देवास के औद्योगिक केंद्रों तक पहुंच सुगम होगी। धार एवं झाबुआ जिले का समग्र आर्थिक विकास होगा। सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं का आवागमन सुविधाजनक होगा।इस निर्णय हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी एवं केंद्रीय कैबिनेट का हृदय से आभार!

गौरतलब है कि इस बहुउद्देशीय हाईवे से मालवा क्षेत्र के बहस छोटे-छोटे कस्बे और शहर जोड़कर सीधे तौर पर इंदौर मुंबई उज्जैन जैसे बड़े शहरों से कनेक्ट होंगे जिससे उनका आर्थिक विकास होना शुरू हो जाएगा।

दादा गुरु के साथ सीएम ने किया ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का अभिषेक

मां नर्मदा के पुत्र जो केवल मां नर्मदा के जल को आहार बना कर ही बिना अन्न ग्रहण किए वर्षों से जीवित है, ऐसे अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु के सानिध्य में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने मां नर्मदा की चतुर्थ परिक्रमा संकल्प यात्रा के समापन अवसर पर पहुंचकर दादा गुरु से आशीर्वाद लिया, तथा उनके साथ मां नर्मदा के जल से खंडवा जिले में स्थित सिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर का जलाभिषेक किया तथा प्रदेश के जनमानस की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर तमाम योगी और संत उपस्थित रहे। गौरतलब है कि अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादा गुरुजी की चतुर्थ नर्मदा सेवा परिक्रमा यात्रा का यह समापन कार्यक्रम था, जिसमें सीएम डॉ मोहन यादव ने उपस्थित होकर सहभागिता की। सीएम ने भगवान ओंकारेश्वर के साथ साथ मां नर्मदा के जल से ममलेश्वर मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक कर सभी के मंगल व कल्याण के लिए प्रार्थना की।

शादी के मंडप से 'गैंगस्टर दूल्हा' गिरफ्तार

घर पर लड़की भेजकर पुजारी को फंसाया फिर वीडियो बनाकर मांगे 8 लाख रुपये

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक गैंगस्टर दूल्हे को मंडप से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि पुजारी का अपहरण कर 8 लाख रुपये की डिमांड की थी। आरोपी 'इल्लीगल' नाम से बदमाशों की गैंग चलाता था। पुलिस ने इल्लीगल गैंग के सरगना समेत 4 आरोपियों को धर दबोचा है। यह पूरा मामला कोहेफिजा थाना क्षेत्र का है। भोपाल की कोहेफिजा पुलिस गैंगस्टर आकाश उर्फ भूरा हड्डी को मंडप से उठाकल अपने साथ ले गई। यह कार्रवाई हनीट्रैप मामले को लेकर की गई है।

बताया जा रहा है कि आकाश उर्फ भूरा हड्डी ने पुजारी को लड़की के जरिए जाल में फंसाया। युवती को पुजारी के घर भेजा, जो मकान में घुसते ही चिल्लाने लगी। इतने में गिरोह के अन्य लड़के भी घर के अंदर घुस गए और पुजारी पर रेप की कोशिश का आरोप लगाया। इतना ही नहीं पुजारी के साथ मारपीट की। आरोपियों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया और वायरल करने की धमकी भी दी। इसके बाद आरोपियों ने पुजारी को छोड़ने के बदले पैसों की डिमांड की। पुजारी से 8 लाख रुपये मांगे। पुजारी के भाई ने तुरंत 50 हजार रुपये ऑनलाइन के जरिए ट्रांसफर किये। मुख्य आरोपी आकाश 'इल्लीगल' नाम की गिरोह चलाता है। जिसमें लगभग 15 से ज्यादा युवक और एक युवती शामिल है। इल्लीगल गैंग के सदस्यों की गर्दन पर बने टैटू में 'इल्लीगल' लिखा होता है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आकाश की शादी 12 मार्च को होनी थी। जिसके लिए उसे खर्च के लिए पैसों की जरूरत थी। इसी वजह से उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस पूरे खेल का रचा था।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्णत : बंद करना गलत, व्यापारियों को राहत दी जाए : कैट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं केटरिंग व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों की ओर से कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के ऑर्डर पर लगी रोक को लेकर आज भोपाल कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर भोपाल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली (पूर्व चैम्बर अध्यक्ष) तथा मुरली हरवानी (मनोहर डेयरी) एवं धर्मेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष कैट भोपाल, पंकज जी गागर स्वीट, संजय अग्रवाल ब्रजवासी स्वीट, आशीष जी छप्पन भोग, मोहन जी घंटा वाला स्वीट सहित व्यापार जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह ज्ञापन संपूर्ण होटल व्यवसाय एवं व्यापारी वर्ग की ओर से प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस संबंध में कैट (कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) ने कहा कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के ऑर्डर पर लगी रोक के कारण भोपाल शहर में संचालित होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट तथा केटरिंग व्यवसाय से जुड़े हजारों छोटे व्यापारियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर इन व्यवसायों के संचालन का मुख्य आधार है और इसकी आपूर्ति बाधित होने से उनके दैनिक कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

वर्तमान समय में विवाह समारोहों एवं अन्य सामाजिक आयोजनों का दौर चल रहा है। ऐसे में केटरिंग सेवाओं और बड़े आयोजनों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अत्यधिक होती है। सिलेंडरों की उपलब्धता प्रभावित होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है बल्कि आम नागरिकों को भी विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि शहर में बड़ी संख्या में मजदूर, कामगार, छात्र एवं अन्य नागरिक अपने दैनिक भोजन के लिए होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट पर निर्भर रहते हैं। गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित होने से इन प्रतिष्ठानों के संचालन में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, जिससे आम लोगों के सामने भोजन की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए इस विषय पर मानवीय एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण से विचार किया जाना आवश्यक है।

व्यापारियों ने प्रशासन से आग्रह किया कि यदि किसी प्रशासनिक अथवा तकनीकी कारणवश कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के ऑर्डर को तत्काल पूर्ण रूप से बहाल करना संभव न हो, तो भी पूर्ण प्रतिबंध के स्थान पर सीमित अथवा निर्धारित मात्रा में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, ताकि होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं केटरिंग व्यवसाय से जुड़े व्यापारी अपने व्यवसाय को न्यूनतम स्तर पर ही सही, परंतु संचालित रख सकें। अन्यथा सिलेंडरों की पूर्ण अनुपलब्धता की स्थिति में यह पूरा व्यवसाय ठप होने की आशंका है, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

अत: व्यापारियों ने जिला प्रशासन से इस गंभीर विषय पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने तथा कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति यथाशीघ्र सुचारु कराने अथवा न्यूनतम आवश्यक मात्रा में उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि व्यापारियों, कामगारों एवं आम नागरिकों को राहत मिल सके।

विकसित भारत के विज़न के साथ

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का आज से आगाज

- भारत सहित 8 देशों के वैज्ञानिक और शोधार्थी करेंगे एआई के विविध आयामों पर चर्चा
- 13 मार्च को आउटकिल और ग्रोथ स्कूल के फाउंडर वैभव सिसिन्टी का विशेष सत्र
- 12-15 मार्च तक आयोजित होगा मध्य भारत का सबसे बड़ा इनोवेशन फेस्ट 'नवोन्मेष 2026'

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य भारत के पहले कौशल विश्वविद्यालय स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का आयोजन 12 और 13 मार्च को किया जा रहा है। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नवोन्मेष 2026 का प्रथम चरण है, जिसके बाद 14 और 15 मार्च को इनोवेशन फेस्ट की विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी।

कॉन्फ्रेंस में भारत सहित सिंगापुर, जर्मनी, मलेशिया, यूएई, कोसोवो, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक, शोधार्थी, एकेडमिक विशेषज्ञ और उद्यमी भाग लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन के दौरान कोर एआई टेक्नोलॉजी, एआई इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एआई इन सोसाइटी एंड गवर्नेंस, क्रॉस कटिंग इश्यूज तथा एआई इन डिफेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रिसर्च पेपर और विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (बेंगलुरु), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी (त्रिवेंद्रम), सीएसआईआर (नई दिल्ली), डीआरडीओ (हैदराबाद), एनआईटी रायपुर और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (भोपाल) के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। इसके साथ ही पोस्टर प्रेजेंटेशन और एआई टूल/प्रोडक्ट प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री से की सौजन्य भेंट

भोपाल। दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आत्मीय भेंट हुई। उन्होंने नर्मदापुरम - इटारसी विधान सभा क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों सहित लोकहितकारी विषयों का सकारात्मक रूप से संज्ञान लेने के लिए मुख्यमंत्री का विशेष आभार व्यक्त किया।

देशभर में अपराध करने वाले ईरानी डेरे की कुंडली तैयार

पुलिस ने तीन गैंग की रिपोर्ट इंटेलिजेंस को भेजी

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने देशभर में अपराध करने वाले ईरानी डेरे के अपराधियों की कुंडली तैयार की है। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल पुलिस ने रिपोर्ट तैयार कर इंटेलिजेंस को भेजी है। रिपोर्ट में गैंग के अपराध के तरीके, नेटवर्क आपसी संपर्कों का ब्यौरा शामिल है। 71 ईरानियों की गिरफ्तारी के बाद प्रोफाइल तैयार की गई है। जांच में सामने आया कि ईरानी डेरे की तीन गैंग देशभर में सक्रिय है। जो अलग अलग तरीके से वारदात को अंजाम देते थे।

अमृत दर्शन भोपाल
तुरंत आवश्यकता
एक कम्प्यूटर (डीटीपी) ऑपरेटर की जिसे हिन्दी एवं अंग्रेजी टाइपिंग का पूर्ण अनुभव हो। अच्छा वेतन।
तुरंत संपर्क करें
6, सुखसागर, पत्रकार नगर, लिंक रोड़ नं. 3, भोपाल
मोबाईल नं.: 9827054436

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।